छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 89 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 02 अप्रैल 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

‘परछाई’ नहीं छोड़ रही थी पीछा, दोस्त का ‘हत्यारा’ थाने पहुंच कर कबूला अपराध

घर में खोदे गए गड्ढे में शव डालकर प्लाई से ढंका और पत्नी के साथ मिलकर पाट दिया था मिट्टी से

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ‘कहा जाता है कि जब तक व्यक्ति का निश्चित जीवनकाल पूरा नहीं होता, तब तक आत्मा को नया शरीर नहीं मिलता है। इस दौरान वह आत्मा ‘प्रेत’, ‘पिशाच’ या ‘अतृप्त आत्मा’ के रूप में पृथ्वी पर भटकती है। यदि मृत्यु के समय कोई तीव्र इच्छा रह जाए, तो आत्मा प्रेतात्मा के रूप में तड़पती है। हालांकि विज्ञान भूतों या आत्माओं के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करता है।’ इधर गांधीनगर थाना क्षेत्र के भगवानपुर खुर्द, लोहारपारा में सनक मिजाज युवक के द्वारा मामूली बात पर अपने दोस्त की डंडे से वार करके हत्या करने और शव को घर में खोदकर रखे गए गड्ढे में डाल देने के मामले में उक्त किवदंती फिट बैठती है। करीब 8-9 दिन पहले हत्याकांड को अंजाम देने वाला अकाल मृत्यु के शिकार दोस्त की आत्मा के परछाई ‘भूत’ बनकर पीछा करने पर आठवें दिन, मंगलवार की रात को भागते गांधीनगर थाने पहुंचा और दोस्त की हत्या करके शव को घर में खोदे गए गड्ढे में डाल

देने की जुबानी पुलिस को सुनाया। घटना के बाद आरोपी लुक-छिपकर रह रहा था। आरोपी ने शव को गड्ढे में डालने के बाद मिट्टी से नहीं भरा था, बल्कि ऊपर से पटरा, प्लाई डालकर मिट्टी से पाट दिया था, इस काम में उसकी पत्नी ने भी सहयोग दिया। पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को घटना की जानकारी दी और घटनास्थल का जायजा लेकर उसकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को पुलिस अधिकारियों ने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में घर में दफन शव को बरामद किया। प्रथम दृष्टि में हत्या का कारण शराब सेवन करने से मना करना और विवाद के दौरान आरोपी का मोबाइल फोन क्षतिग्रस्त होने के रूप में सामने आया है। पुलिस मामले में अग्रिम पड़ताल कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, भगवानपुर खुर्द लोहारपारा में मृतक बृजलाल अगरिया पिता गोविन्द अगरिया 34 वर्ष और आरोपी मिथलेश कुजूर का घर आमने-सामने है। घटना दिनांक 24 मार्च की शाम को मृतक, मिथलेश के घर गया था, और उसके साथ बैठा था। यहां मिथलेश ने शराब पीने का ऑफर दिया, जिस पर बृजलाल ने नवरात्रि पर्व होने के कारण शराब पीने से इन्कार कर दिया। इस दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसमें आरोपी का मोबाइल फोन टूट गया, और वह गुस्से में आकर बृजलाल पर लाठी-डंडे से वार कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद आरोपी घर में पहले से ही खोदकर रखे गए गड्ढे में शव को डालने के बाद ऊपर से पटरा, प्लाई डाल दिया था, और अपनी पत्नी को पटरा को मिट्टी से पाट देने के लिए कहा, ताकि किसी को घर में दफन शव का राज पता न चल सके। इसके बाद वे घर से दूर बढ़नीझरिया की ओर चले गए थे। हत्या के बाद मिथलेश अंदर ही अंदर विचलित रहता था। उसे हरदम ऐसा प्रतीत होता, जैसे कोई परछाई की तरह पीछे लगा है। इधर गांव से वृजलाल के अचानक गायब होने की चर्चा भी होने लगी थी, लेकिन कहीं काम करने गया होगा, सोचकर किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। घटना के 8 दिन बाद कातिल मिथलेश खुद गांधीनगर थाने पहुंच गया और दोस्त की हत्या करके शव को घर में खोदकर रखे गए गड्ढा में दफन करना बताया। हत्या का अपराध कबूलते अपराधी को सामने देखकर पहले तो पुलिस ने संबंधित मृतक बृजलाल के बारे में व्यक्ति के जानकारी ली, तो पता चला कि वास्तव में वह कई दिनों से गांव में नजर नहीं आया है। इधर आरोपी ने मृतक की आत्मा की परछाई के डर से मानसिक रूप से परेशान होकर पुलिस के सामने चौंकाने वाला सच्चाई उजागर किया। बुधवार को मौके पर एफएलएल के टीम की मौजूदगी में मृतक के शव को गड्ढे से बाहर निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव को स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

मिट्टी हटने के साथ आने लगी दुर्गंध

थाना पहुंचकर हत्या की स्वीकारोक्ति करने के मामले की गांधीनगर थाना पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। मौके पर नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल सहित अन्य अधिकारी पहुंचे। इन्होंने आरोपी से बारीकी से पूछताछ की तो वह दोस्त को मारकर अपने ही घर में दफन कर देने की बात को दोहराते रहा। पुलिस टीम ने बुधवार को आरोपी के घर पहुंची तो परछी में मिट्टी का ढेर पड़ा था। फॉरेंसिक टीम और तहसीलदार के मौजूदगी में उक्त स्थल से मिट्टी को हटवाना शुरू किया गया तो जमीन के अंदर दफन शव से उठ रही दुर्गंध आने लगी। पुलिस ने आरोपी मिथलेश कुजूर व उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

काम करके 8 बजे तक आ जाता था घर

मृतक के मौसेरे भाई रमेश कुमार अगरिया ने बताया कि बृजलाल का विवाह नहीं हुआ था, वह भगवानपुर खुर्द स्थित घर में अकेले ही रहता था। उसके पिता गोविन्द अगरिया बड़े पुत्र के साथ रहते हैं। आरोपी मिथलेश का घर सामने होने के कारण बृजलाल का उसके यहां आना-जाना था। बस्ती में कई दिन से बृजलाल के नहीं दिखने से वे चिंतित थे, क्योंकि वह कहीं भी काम करने के लिए जाता तो रात के 8 बजे तक घर आ ही जाता था। किसी से उसका विवाद भी नहीं होने की जानकारी स्वजन दे रहे हैं।

अपराधबोध खींच लाया थाने तक

हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मिथलेश अपनी पत्नी के साथ गांव से दूरी बना लिया था। दोनों कभी बढ़नीझरिया गांव तो कभी आसपास के जंगल में समय काट रहा था। अंदर ही अंदर दोस्त की हत्या करने को लेकर भयभीत मिथलेश कथित रूप से किसी परछाई के विभिन्न रूपों में पीछे पड़े रहने से हलाकान रहता था। दोस्त की हत्या के बाद बनी अपराधबोध की स्थिति को वह झेल नहीं पाया और थाना पहुंचकर अपना अपराध कबूल करने में ही भलाई समझा। मिथलेश कुजूर ने घर की परछी में गड्ढा सूअर पालन के लिए खोदना बताया है। संदेह है कि योजनाबद्ध तरीके से पहले से ही आरोपी गड्ढा खोदकर रखा होगा।

> घटना दिनांक को मृतक, आरोपी के घर में आया था। आरोपी ने उसे शराब पीने का ऑफर दिया, जिस पर वह नवरात्र होने के कारण इन्कार कर दिया। इस दौरान विवाद और हाथापाई में आरोपी का मोबाइल टूट गया था। मोबाइल टूटने पर दोनों के बीच विवाद हुआ। मंगलवार, 31 मार्च की रात को आरोपी गांधीनगर थाने में आकर बताया कि वह मडर किया है, और अपने घर में पूर्व से खोदकर रखे गए गड्ढे में पत्नी के साथ मिलकर शव को डाल दिया है। शव बरामद करके मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई की जा रही है।
>
> **राहुल बंसल**
> **सीएसपी अंबिकापुर**

हिरण के शावक को बांसबाड़ी से बरामद किया वन अमले ने

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर के संजय वन वाटिका से बीते सोमवार को भागे हिरण को वन विभाग की टीम ने बांसबाड़ी से सुरक्षित बरामद कर लिया है। वन अमले के चौकसी में रहने वाले संजय वन वाटिका से कुत्तों के हमले में 15 हिरणों की मौत के बाद, एक हिरण के शावक का बाड़े से भाग जाना जिम्मेदारों की लापरवाही को उजागर कर रहा था। मामला ज्यादा तूल न पकड़ने पाए, इसे देखते हुए मंगलवार को संजय वन वाटिका का संचालन भी कथित रूप से सुरक्षा में सेंध जैसी बन रही स्थिति से निजात दिलाने के लिए चल रहे काम के नाम पर बंद किया गया था। इधर वन वाटिका से निकले हिरण की तलाश निरंतर जारी थी, जिसे बुधवार को शाम करीब 4 बजे बरामद करने में सफलता मिली है। पशु चिकित्सक से स्वास्थ्य परीक्षण कराने के बाद हिरण को संजय वन वाटिका में रखा गया है।

जम्मू-कश्मीर के हमाम हुसैन ने दूध बेचने से गोल्ड जीतने तक का तय किया सफर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जम्मू-कश्मीर के हमाम हुसैन कुश्ती का अभ्यास नहीं करने के दौरान अपने बड़े भाई के साथ घर-घर जाकर दूध पहुंचाने का काम करते हैं। जम्मू के जोरावर गांव में रहने वाले 28 वर्षीय हमाम के लिए जिंदगी और खेल एक-दूसरे के पूरक हैं। पांच साल पहले पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके और उनके बड़े भाई के कंधों पर आ गई। दोनों ने मिलकर दूध बेचकर घर चलाया, इसके साथ हमाम ने अपने कुश्ती के सपने को जिंदा रखा।

यह संघर्ष आखिरकार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में रंग लाया, जहां हमाम ने पुरुषों के 79 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में हिमाचल प्रदेश के मोहित कुमार को हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह उनके 14 साल के कुश्ती करियर का पहला राष्ट्रीय स्तर का स्वर्ण पदक है। हमाम ने मीडिया से कहा, मेरे बड़े भाई भी पहलवान थे और राज्य स्तर पर खेल चुके हैं। पिता के निधन के बाद सारी जिम्मेदारी हम पर आ गई। मेरे भाई को कुश्ती छोड़नी पड़ी और उन्होंने दूध बेचना शुरू कर दिया। मैं भी उनके साथ दूध देने जाता था क्योंकि परिवार चलाना जरूरी था, लेकिन भाई ने उन्हें हमेशा कुश्ती जारी रखने के लिए प्रेरित किया और वे स्वयं दंगलों में लेकर जाते थे। हमाम ने बताया कि उनके पिता की छोड़ी हुई भैंसें ही परिवार की आजीविका का साधन बनीं। एक बच्चे के पिता हमाम ने कहा, मेरे भाई ने दूध बेचकर घर चलाया और मैं उनकी मदद करता था। जब मैंने मिट्टी के अखाड़े में कदम रखा, तो इस खेल से मुझे लगाव हो गया। सीमित संसाधनों के बावजूद हमाम ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी। वे अपने गांव से करीब 20 किलोमीटर दूर मिट्टी के अखाड़े में अभ्यास करते हैं और मैट पर ट्रेनिंग के लिए लगभग 40 किलोमीटर दूर जम्मू तक का सफर तय करते हैं, वह भी अपने काम की जिम्मेदारियों के साथ। उन्होंने कहा, साई सेंटर जम्मू में है और हम निचले इलाके में रहते हैं, इसलिए वहां नियमित रूप से जाना मुश्किल होता है। हम आमतौर पर प्रतियोगिताओं के दौरान ही वहां जाते हैं, वरना गांव के अखाड़ों में ही अभ्यास करते हैं। इनके पास कोई व्यक्तिगत कोच नहीं है। अखाड़े में सीनियर पहलवान उन्हें मार्गदर्शन देते हैं। जब मैट पर अभ्यास करते हैं, तब वहां कोच होते हैं। गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं नहीं मिलतीं। अगर बेहतर सुविधाएं मिलें, तो क्षेत्र के पहलवान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक पदक जीत सकते हैं। हमाम के लिए यह स्वर्ण पदक सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष और समर्पण का प्रतीक है। इन्होंने अंत में कहा, यहां आकर बहुत अच्छा लगा। यहां की सुविधाएं बहुत अच्छी थीं। हम एक पिछड़े इलाके से आते हैं, जहां कुश्ती के लिए ज्यादा समर्थन नहीं है, इसलिए हमें दूर-दूर तक जाना पड़ता है। पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता आयोजित की गई, अगर ऐसे और आयोजन होते रहें, तो वे और पदक जीत सकते हैं।

दवा दुकान के आड़ में नार्कोटिक्स पदार्थों का अवैध व्यापार, आरोपी जेल दाखिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल दुकान के आड़ में नार्कोटिक्स पदार्थों का अवैध व्यापार करने के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके कार सहित 07 लाख रुपये का कफ सिरप एवं खाली नार्कोटिक्स दवाओं का रैपर व शीशी जप्त किया है। आरोपी स्विफ्ट कार में नारकोटिक्स औषधियों को रखकर अवैध व्यापार करने में लगा था। आरोपी के स्विफ्ट कार से काफी मात्रा में कफ सिरप, खाली नार्कोटिक्स दवाओं के रैपर व शीशी को पुलिस ने जप्त किया है।

जानकारी के मुताबिक थाना गांधीनगर पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि सिद्धि विनायक मेडिकल स्टोर का संचालक संदीप कुमार चौहान अपने प्रतिष्ठान में नशे का इंजेक्शन व सिरप बिक्री करता है। पुलिस मेडिकल स्टोर के संचालक को तलब करके पूछताछ की तो सामने आया कि संदीप कुमार चौहान पिता शरन साय 34 वर्ष, निवासी ग्राम जामढोढ़ी थाना मैनपाट, वर्तमान में गांधीनगर थाना क्षेत्र के राजेन्द्रनगर में बिजली ऑफिस के पास रहकर अपने भाई के साथ सिद्धि विनायक मेडिकल स्टोर का संचालन फुन्दुरडिहारी में करता है। उसने 30 मार्च की शाम को एजेंसी से अपने कार क्रमांक सीजी 13 यूजी 9338 में 100 नग कॉफर सी नामक कोडिन कफ सिरप खरीदकर लेकर आने और उसमें से 05 पीस बेचने, बाकी का कफ सिरप को कार में रखने की जानकारी दी। पूछताछ में उसने पूर्व में कई बार नशीला कफ सिरप व इंजेक्शन का सेवन करना बताया। इसके बाद पुलिस टीम संदीप कुमार चौहान को साथ लेकर सिद्धि विनायक मेडिकल दुकान फुन्दुरडिहारी पहुंची और मेडिकल स्टोर के बगल में रोड पर खड़ी कार क्रमांक सीजी 13 यूजी 9338 की डिक्की की तलाशी ली तो एक कार्टून डिब्बा में भरा कॉफर-सी कोडिन फास्फेट एण्ड ट्राईपोलिडिन हाईड्रोक्लोराइड सिरप 100 एमएल 95 नग मिला। इसके अतिरिक्त खाली नार्कोटिक्स दवाओं के रैपर व शीशी मौके से बरामद किए गए, जिससे दवा दुकान के आड़ में नार्कोटिक्स औषधियों के अवैध व्यापार का पर्दाफास हुआ। आरोपी के द्वारा 22-सी एनडीपीएस एक्ट का अपराध घटित करना पाए जाने पर पुलिस ने सील बंद सिरप की शीशी 95 नग, अल्प्राजोलम टेबलेट व अल्प्राफिट 0.5 का खाली रैपर 03 नग, कॉफर-सी कोडिन फास्फेट एण्ड ट्राईपोलिडिन हाईड्रोक्लोराइड सिरप 100 एमएल का 02 खाली शीशी, एविल फेनिरामाइन मैलिएट इंजेक्शन 10 एमएल का 02 खाली वॉयल, घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार जप्त किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है। कार्रवाई में थाना गांधीनगर से उप निरीक्षक दिलीप दुबे, प्रधान आरक्षक रुस्तम सिंह, आरक्षक राहुल सिंह, विकास सिंह, अमृत सिंह, रमन मण्डल, घनश्याम देवांगन सक्रिय रहे।

कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का जिले में शुभारंभ

जिपं सदस्य ने कहा-एनीमिया व कुपोषण से बाहर आने नियमित अतिरिक्त पोषण आहार लें

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राज्य में व्याप्त कुपोषण एवं एनीमिया के दरों में कमी लाने के लिए महत्वकांक्षी ‘कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान’ की शुरुआत की गई। जिले में अभियान की शुरुआत बुधवार को अंबिकापुर के ग्राम खैरवार परियोजना में किया गया। कलेक्टर अजीत वंसत ने छत्तीसगढ़ राज्य बीज विकास निगम द्वारा प्रदाय मिलेट बार का उपयोग नियमित रूप से करने व विभाग द्वारा प्रदाय पूरक पोषण का भी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रदाय की जा रही अतिरिक्त पोषण आहार का समय-समय पर निरंतर गुणवत्ता का परीक्षण करने हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया। उपस्थित परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सभी पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में मिलेट बार वितरण करने एवं किसी भी स्थिति में वैधता अवधि उपरांत खाद्य सामग्री को वितरित नहीं करने एवं नियमित रूप से आंगनबाड़ी खोलने के लिए निर्देशित किया गया। कार्यकम में उपस्थित गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित बच्चों के अभिभावकों को एनीमिया एवं कुपोषण से मुक्त होने के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पोषण सामग्री का नियमिति उपयोग करने के साथ-साथ अतिरिक्त पोषण आहार का स्वयं उपयोग करने कहा। इस दौरान सभी को मिलेट बार वितरण से किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने अभियान अंतर्गत पात्र

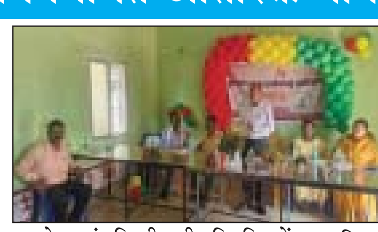

हितग्राहियों को एनीमिया एवं कुपोषण से बाहर आने के लिए नियमित रूप से अतिरिक्त पोषण आहार का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी जेआर प्रधान ने बताया कि अभियान के अंतर्गत पॉयलट प्राजेक्ट के रूप में राज्य के सरगुजा एवं बस्तर संभाग के कुल 08 जिलों को शामिल किया गया है। प्रथम चरण में एनीमिया एवं कुपोषण की दरों में कमी लाने के लिए सरगुजा जिले के 5498 गर्भवती महिलाओं एवं 5281 कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित किया गया है। इन हितग्राहियों को विभागीय पूरक पोषण आहार के साथ-साथ अतिरिक्त पोषण आहार वितरण 06 माह तक प्रदाय किया जाएगा। इस दौरान जनपद सदस्य अनामिका पैकरा, सरपंच देवनाथ तिग्गा उपस्थित रहे।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

20.64 बल्क लीटर अवैध विदेशी मदिरा जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के वाड्रफनगर वृत्त अंतर्गत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए आबकारी जांच चौकी धनवार में कार्रवाई की गई। इस दौरान 20.64 बल्क लीटर विदेशी मदिरा (उत्तर प्रदेश राज्य की) जब्त की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमृत कुमार एवं आदित्य कुमार द्वारा दो पहिया वाहन से विदेशी मदिरा (उत्तर प्रदेश राज्य की) का अवैध परिवहन किया जा रहा था। धनवार जांच चौकी में जांच के दौरान आरोपियों के पास से 20.64 बल्क लीटर विदेशी मदिरा एवं दो पहिया वाहन को जब्त कर आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34(2), 36 एवं 59-क के तहत प्रकरण दर्ज आवश्यक कार्यवाही की गई है।

कृषि मंत्री नेताम ने वर्चुअल रूप से 9 नई एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी

★ दूरस्थ क्षेत्रों में अब गोल्डन ऑवर में मिलेगी त्वरित चिकित्सा सहायता ★ आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं के सुदृढ़ीकरण से अब हर जरूरतमंद को मिलेगी 108 सेवा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की गई। जिला अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिले को मिले 9 एम्बुलेंस को प्रदेश के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें 08 बेसिक लाइफ सपोर्ट और 01 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस शामिल हैं। इस सौगात के साथ ही जिले में 108 एम्बुलेंस की समस्त सेवाएं अब जिले के सभी विकासखंडों और दूरस्थ ग्रामीण वनांचलों तक त्वरित आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगी।

इस अवसर पर मंत्री श्री रामविचार नेताम ने वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ये एम्बुलेंस केवल वाहन नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में जीवन बचाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि शासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाली माताओं, बहनों और बच्चों को आपातकालीन स्थिति में समय पर उपचार मिल सके। मरीजों को ''गोल्डन ऑवर'' में चिकित्सा सहायता मिलना जीवन रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है और यह पहल इसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने कहा कि आपातकालीन सेवाओं को दुरुस्त रखने के लिए एम्बुलेंस संचालन एजेंसी के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। इससे सेवाओं की गुणवत्ता और प्रतिक्रिया समय में निरंतर सुधार होगा जिससे जरूरतमंदों को त्वरित सहायता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि सेवा में पारदर्शिता और प्रभावशीलता बनाए रखने के लिए वे स्वयं इन सेवाओं की नियमित निगरानी करेंगे,ताकि किसी भी जरूरतमंद को समय पर एम्बुलेंस मिलने में कोई कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को समय पर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में सतत प्रयास किए जाएंगे।

जिले को मिली 9 नई एम्बुलेंस को विभिन्न विकासखंडों और स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यकतानुसार तैनात किया गया है, ताकि पूरे जिले को कवर किया जा सके। नई व्यवस्था के तहत जिला चिकित्सालय बलरामपुर को 2 और वाड्रफनगर को 2 एम्बुलेंस आवंटित की गई हैं। राजपुर, शंकरगढ़, कुसमी, रामानुजगंज और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सनावल में एक-एक एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई है। इस नई व्यवस्था से अब जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलों में किसी भी स्वास्थ्य आपातकाल के समय मरीजों को त्वरित सहायता मिल सकेगी।

इस कार्यक्रम अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर, रेडक्रॉस सोसायटी अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, उपाध्यक्ष श्रीमती बबली देवी सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्री लोधी राम एक्का, उपाध्यक्ष श्री दिलीप सोनी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह, जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. शशांक गुप्ता सहित स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

220 केवी सबस्टेशन में चोरी का प्रयास, एक आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। केशवनगर स्थित 220 केवी विद्युत उपकेंद्र में मंगलवार देर रात चोरों ने घुसकर चोरी का प्रयास किया, लेकिन कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता से उनकी कोशिश नाकाम हो गई। इस दौरान एक आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया, जिसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के अनुसार लगभग 8-10 चोर रात करीब 1.45 बजे उपकेंद्र की फेंसिंग काटकर परिसर में दाखिल हुए और वहां रखे कॉपर केबल चोरी करने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान कर्मचारियों को आहट मिली, जिसके बाद उन्होंने शोर मचाकर चोरों को खदेड़ा। सभी आरोपी मौके से फरार हो गए, लेकिन एक

युवक को पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान कृष्णा साहनी 23 वर्ष निवासी बाजारपारा भटगांव के रूप में हुई है। प्राइवेट ऑपरेटर अवधेश कुमार सोनवानी की रिपोर्ट पर बिश्रामपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और घटना में शामिल अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि आरोपी का ससुराल शिवनंदनपुर में है और वह भटगांव से आकर इस वारदात को अंजाम दे रहा था। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान अन्य चोरी की घटनाओं के बारे में भी अहम सुराग मिल सकते हैं।

एसईसीएल के आधा दर्जन सुरक्षा कर्मियों को मिली पदोन्नति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में कार्यरत आधा दर्जन सुरक्षा कर्मियों को पदोन्नति का लाभ प्राप्त हुआ है। बिश्रामपुर क्षेत्रीय मुख्यालय में पदस्थ सहायक सुरक्षा उपनिरीक्षक दिनेश कुमार एवं पवन शर्मा पदोन्नति के बाद सुरक्षा उपनिरीक्षक बनाए गए हैं। वहीं वरिष्ठ सुरक्षा प्रहरी यशपाल, सरफराज, आत्मा, धर्मेंद्र साहू प्रधान सुरक्षा प्रहरी नियुक्त किए गए हैं। पदोन्नति के बाद भी वे सभी इसी क्षेत्र में सेवा देंगे। आज क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने पदोन्नत सुरक्षा उपनिरीक्षक दिनेश कुमार और पवन शर्मा के कंधे पर स्टार लगा दोनों कर्मियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एरिया सेफ्टी ऑफिसर बेचन सिंह, एपीएम एसकेपी शिंदे, क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण सिंह उपस्थित थे।

मामूली सी बात पर नाराज युवकों ने व्यवसाई के साथ की मारपीट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मोरभंज में मंगलवार की रात एक मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया और देखते ही देखते सड़क पर फिल्मी अंदाज में पीछा कर मारपीट की वारदात को अंजाम दिया गया है। जयनगर पुलिस ने बताया कि मोरभंज में स्थित ट्री हाउस कैफे के संचालक अंबिकापुर मायापुर गुरुद्वारा वार्ड नंबर 36 निवासी प्रार्थी फैज सिद्दीकी पिता फईयाज सिद्दीकी ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि मंगलवार की रात करीब 8.30 बजे जब वह रोज की तरह अपना कैफे बंद कर रहे थे, तभी दो युवक शुभम वैद्य और देव समद्दार कथित रूप से नशे में वहां पहुंचे। उन्होंने कैफे को दोबारा खोलने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। प्रार्थी ने साफ मना किया कि नशे में किसी को अंदर एंट्री नहीं दी जा सकती है। बस यही बात आरोपियों को नागवार गुजरी और देखते ही देखते माहौल गरमा गया। गुस्से में आरोपियों ने गेट पर लात मारते हुए अश्लील गालियां देकर जान से मारने की धमकी दी। इसके पश्चात घटना यहीं खत्म नहीं हुई। प्रार्थी अपने भाई साकिब के साथ कार क्रमांक सीजी 15 डीजेड 7814 से घर के लिए निकले, तभी रास्ते में वही युवक उनकी कार का पीछा करने लगे। ग्राम महावीरपुर संजयनगर में पिलखा ढाबा के पास अचानक एक काली स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक सीजी 29 एजी 6674 में बंपर में टक्कर मारते हुए प्रार्थी की गाड़ी का रास्ता रोक दिए। प्रार्थी फैज ने खतरा भांपते हुए तुरंत अपने बड़े पिताजी मेराज रंगरेज और जीजा वसीम अख्तर को फोन किया। दोनों जैसे ही मौके पर पहुंचे, आरोपियों का गुस्सा उन पर भी टूट पड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी शुभम वैद्य, देव समद्दार, आयुष समद्दार और उनके साथियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ-मुक्कों व पत्थरों से हमला कर दिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बिश्रामपुर क्षेत्र के श्रमिकों ने काला फीता बांधकर मनाया विरोध दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित चार नए लेबर कोड बिलों के विरोध में आज 1 अप्रैल को एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के समस्त संस्थानों और खदानों में कामगारों ने राष्ट्रव्यापी आह्वान पर काला दिवस मनाया। देश की 11 प्रमुख केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के निर्देशानुसार बिश्रामपुर क्षेत्र के मजदूरों ने अपने कार्यस्थल पर काला फीता बांधकर केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के प्रति आक्रोश व्यक्त किया।

इस विरोध प्रदर्शन में प्रमुख श्रम संगठनों में एटक, एचएमएस, सीटू और इंटक के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बिश्रामपुर क्षेत्र की विभिन्न खदानों में सुबह की पाली से ही श्रमिक हाथों और बाजुओं पर काला फीता बांधकर कार्य करते नजर आए, जो सरकार के प्रति उनके शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ विरोध का प्रतीक था। इस अवसर पर आयोजित गेट मीटिंग्स और चर्चाओं में श्रमिक नेताओं ने कामगारों को चारों लेबर कोड बिलों के संभावित दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि ये कोड पूर्ण रूप से लागू होते हैं, तो श्रमिकों की नौकरी की सुरक्षा समाप्त हो जाएगी। काम के घंटे बढ़ाए जा सकते हैं। यूनियनों के संघर्ष करने और हड़ताल पर जाने के संवैधानिक अधिकार सीमित हो जाएंगे। एटक यूनियन के क्षेत्रीय सचिव पंकज गर्ग ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की वर्तमान सरकार पूरी तरह से पूंजीपतियों के दबाव में है। हमने पूर्व में भी कई विरोध प्रदर्शन और हड़तालें की हैं, लेकिन सरकार मजदूरों की आवाज अनसुनी कर रही है। ये चार लेबर कोड मजदूरों को गुलामी की ओर धकेलने वाले हैं, जिन्हें हम किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। यूनियन प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि 1 अप्रैल का यह काला दिवस केवल एक सांकेतिक विरोध है। यदि सरकार ने इन मजदूर विरोधी कानूनों को वापस नहीं लिया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा और पूरे कोयला उद्योग में चक्का जाम की स्थिति निर्मित हो सकती है।

जयनगर में सड़क निर्माण कार्य हेतु मंत्री ने किया भूमिपूजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत जयनगर में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनने वाले कांसापारा मार्ग का कैबिनेट मंत्री व भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने विधिवत पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया। अन्य अतिथियों में भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, रितेश जायसवाल, मंडल अध्यक्ष हरिश राजवाड़े, शितिकांत स्वाई, देवशरण सिंह, अशोक अग्रवाल, भागवत प्रजापति, श्यामू साहू, विवेक जायसवाल, अंकित दुबे, जनपद सदस्य धनेश्वरी सिंह, जयनगर सरपंच श्रीमती राधा बाई उपस्थित रहे। भूमि पूजन कार्यक्रम जयनगर के दर्रीपारा एनएच 43 से कांसापारा तक 3 करोड़ 80 लाख 15 हजार रुपए की लागत से बनने वाले 5 किमी सड़क निर्माण हेतु किया

गया। मुख्य अतिथि मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेश में विकास की सतत गति का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन केवल एक नारा नहीं बल्कि धरातल पर उतरता हुआ संकल्प है। सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाना है और यह सड़क उसी दिशा में एक सार्थक पहल है। साथ ही बेहतर सड़कें केवल आवागमन को सुगम नहीं बनातीं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के नए द्वार खोलती हैं। जयनगर से कांसापारा तक बनने वाली यह सड़क आने वाले समय में क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को गति देगी।

इस दौरान कृष्णपाल बिंझिया, भोला सिंह, अमित मित्तल, मनी बग्गा, कमलेश सोनी, ओमप्रकाश राजवाड़े, राजेन्द्र गवंटिया, घलम राम, निकुंज सिंह, ब्रम्हदेव, गोपाल राजवाड़े, विनोद, अशोक बिंझिया, बंधु राम, गीता राम, जीरोबाई, इंद्रावती सिंह, अनिता सिंह, नोहर साय, देवती बाई, उन्ती बाई, बिरेंद्र सिंह, छतरपाल, प्रेमसाय, यश सोनी, बलजीत सिंह, राजेश व अन्य उपस्थित थे।

लक्ष्य से 15 लाख टन पीछे, फिर भी बिश्रामपुर क्षेत्र का प्रदर्शन बेहतर

25.63 लाख टन कोयला उत्पादन, 24 लाख टन से अधिक डिस्पैच

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल के बिश्रामपुर क्षेत्र ने वर्ष 2025-26 में कोयला उत्पादन के मामले में गत वर्ष की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है, हालांकि क्षेत्र निर्धारित लक्ष्य से लगभग 15 लाख टन पीछे रह गया। क्षेत्र को इस वित्तीय वर्ष में 41.60 लाख टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य मिला था, जिसके विरुद्ध 25.63 लाख टन उत्पादन किया गया। वहीं 24 लाख टन से अधिक कोयले का डिस्पैच किया गया। पिछले वर्ष क्षेत्र ने 23.47 लाख टन उत्पादन किया था, जिसकी तुलना में इस वर्ष 2.16 लाख टन की वृद्धि दर्ज की गई है। कुल मिलाकर लगभग 10 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की गई है। हालांकि इन सब के बाबजूद क्षेत्र अभी भी करीब पौने दो सौ करोड़ के घाटे में संचालित है।खदानवार उत्पादन स्थिति यह है कि अमेरा खदान को 12 लाख टन का लक्ष्य मिला था, लेकिन जनवरी से उत्पादन शुरू होने के कारण केवल 4 लाख टन उत्पादन हो सका। पिछले वर्ष यहां 5.41 लाख टन उत्पादन हुआ था। आमगांव खदान को 12 लाख टन लक्ष्य के विरुद्ध 10 लाख टन उत्पादन का संशोधित लक्ष्य मिला, जिसे खदान ने दो दिन पूर्व ही पूरा कर लिया। गत वर्ष यहां 6.97 लाख टन उत्पादन हुआ था। देश के पहले एमडीओ मोड में

संचालित होने वाले केतकी भूमिगत खदान परियोजना ने 7.76 लाख टन लक्ष्य के विरुद्ध 3.97 लाख टन उत्पादन हुआ, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 1.25 लाख टन था।

गायत्री खदान ने 8.80 लाख टन लक्ष्य के मुकाबले 6.86 लाख टन उत्पादन किया। पिछले वर्ष यही खदान लक्ष्य हासिल करने वाली एकमात्र खदान थी। रेहर भूमिगत खदान को 1.20 लाख टन लक्ष्य मिला था, जिसके विरुद्ध मात्र 60,750 टन उत्पादन हो सका।वर्तमान में केवल रेहर खदान का संचालन प्रबंधन खुद कर रही है।

कुमदा 7/8 खदान से केवल 1,470 टन और बलरामपुर खदान से 16,860 टन उत्पादन हुआ, जबकि ये खदानें लगभग बंद स्थिति में हैं। ज्ञात हो कि क्षेत्र में कुल 7 खदानें हैं, जिनमें 2 ओपनकास्ट और 5 भूमिगत खदानें शामिल हैं। इनमें से कुमदा 7/8 और बलरामपुर खदान पूरी तरह बंद हैं, जहां वर्तमान में केवल पंपिंग का कार्य चल रहा है। कुल उत्पादन में ओपनकास्ट खदानों का योगदान प्रमुख रहा, जहां से लगभग 24 लाख टन कोयला निकाला गया, जबकि भूमिगत खदानों से 11.62 लाख टन उत्पादन हुआ।

निजी ऑपरेटरों की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रही, क्योंकि 5 चालू खदानों में से 4 का संचालन निजी हाथों में है। गौरतलब है कि अमेरा और आमगांव खदानों में अधिग्रहित भूमि का समय पर अधिपत्य न मिलना, ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के विरोध, भू-वैज्ञानिक समस्याएं और मशीन ब्रेकडाउन जैसी चुनौतियों के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ। विशेषकर इन समस्याओं के समाधान में आधा वर्ष से अधिक समय लग गया। क्षेत्र के महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि नए वित्तीय वर्ष 2026-27 में क्षेत्र को 40.50 लाख टन का लक्ष्य मिला है, जिसे हर हाल में हासिल करने का प्रयास किया जाएगा। यह लक्ष्य कंपनी के सीएमडी हरीश दुहन के नेतृत्व में पूरा किया जाएगा।

कर्मयोगी भारत अभियान अंतर्गत 2 से 8 अप्रैल तक जिले में मनाया जाएगा साधना सप्ताह

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन के निर्देशानुसार कर्मयोगी भारत अभियान के अंतर्गत जिलों में 2 से 8 अप्रैल 2026 तक साधना सप्ताह का आयोजन किया जाएगा।

इस संबंध में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा जिले के समस्त विभाग एवं कार्यालय प्रमुखों को 2 से 8 अप्रैल 2026 तक साधना सप्ताह मनाया जाना सुनिश्चित करने को कहा है। साधना सप्ताह के अंतर्गत 2 अप्रैल को शुभारंभ एवं सभी विभागों में साधना सप्ताह का सामूहिक वाचन तथा कर्मयोगी भारत के उद्देश्यों पर परिचर्चा की जाएगी। इसी प्रकार 3 अप्रैल को आत्मचिंतन दिवस, 4 अप्रैल को सेवा संकल्प दिवस के अंतर्गत नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने हेतु संकल्प एवं विभागीय सेवा मानकों की समीक्षा, 5 अप्रैल को नवाचार दिवस के अंतर्गत कार्य प्रणाली में सुधार हेतु नवीन विचारों का आदान-प्रदान एवं डिजिटल साधनों के प्रयोग पर कार्यशाला, 6 अप्रैल को पारदर्शिता दिवस के अंतर्गत प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु चर्चा एवं शिकायत निवारण तंत्र की समीक्षा, 7 अप्रैल को सहयोग दिवस के अंतर्गत टीम भावना एवं सामूहिक कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने हेतु गतिविधियां एवं विभागीय समन्वय बैठक तथा 8 अप्रैल को समापन दिवस पर सप्ताह भर की गतिविधियों का संक्षिप्त प्रतिवेदन तैयार करना एवं साधना सप्ताह का समापन एवं अनुभव साझा किया जाएगा।

भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में संगठन सशक्तिकरण के साथ, विचारधारा के विस्तार और कार्यकताओं के कौशल विकास पर जोर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। भारतीय जनता पार्टी के जरही मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत आयोजित दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 28 एवं 29 मार्च को नगर पंचायत जरही में आयोजित इस शिविर में संगठन की मजबूती, विचारधारा के विस्तार और कार्यकताओं के कौशल विकास पर विशेष फोकस किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी ने इसे बेहद प्रभावशाली बना दिया।

भव्य शुरूआत, परंपरा के साथ सम्मान

शिविर का शुभारंभ अतिथियों के आगमन, ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष पुरन राम राजवाड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा, जिला महामंत्री अशोक सिंह, तथा प्रशिक्षण प्रभारी राजकुमार गुप्ता की विशेष उपस्थिति रही। इस दौरान अतिथियों एवं जरही मंडल के वरिष्ठ नेताओं का साल एवं श्रीफल भेंट कर पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। यह सम्मान समारोह पूरे आयोजन का आकर्षण रहा, जिसने भारतीय संस्कृति और संगठनात्मक मयार्दा का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

विचारधारा से लेकर कार्यप्रणाली तक मिला व्यापक प्रशिक्षण

दो दिनों तक चले इस प्रशिक्षण शिविर में कार्यकताओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इतिहास, पार्टी की विचारधारा, केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियां, संगठन की कार्यप्रणाली, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग, बूथ प्रबंधन एवं चुनावी रणनीति जैसे विषयों पर अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए। वक्ताओं ने कार्यकताओं को केवल सैद्धांतिक ही नहीं बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया, जिससे वे अपने-अपने क्षेत्र में संगठन को और अधिक मजबूत बना सकें।

समापन सत्र में मिला दिशा-निर्देश

कार्यक्रम के अंतिम दिन परीक्षा एवं संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकताओं की समझ और प्रशिक्षण का आकलन किया गया। समापन सत्र में वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकताओं को आगामी चुनावों, संगठन विस्तार एवं जनसंपर्क गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन की नींव है, इसलिए हर कार्यकर्ता को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना चाहिए।

निष्कर्ष: संगठन को नई ऊर्जा

जरही मंडल में आयोजित यह प्रशिक्षण शिविर संगठन के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। जहां एक ओर कार्यकताओं को वैचारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण मिला, वहीं दूसरी ओर साल-श्रीफल से पारंपरिक स्वागत ने आयोजन को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। इस शिविर ने कार्यकताओं में नई ऊर्जा, उत्साह और संगठन के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत किया।

एक वर्ष से खराब पड़ा हाईमास्ट/लाइट, ग्रामीणों में आक्रोश, शीघ्र लगाने की मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जिगना/छानबे। विकासखंड छानबे के अंतर्गत बाग जोरावर, खैरा, जिगना व मिश्रपुर मार्ग के कोने पर लगा हाईमास्ट/सड़क लाइट पिछले लगभग एक वर्ष से खराब पड़ा हुआ है। पहले ग्राम प्रधान द्वारा इसे लगवाया गया था, लेकिन खराब होने के बाद इसे हटवा दिया गया और आज तक पुनः स्थापित नहीं कराया गया। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थान चार मार्गों का प्रमुख जंक्शन है, जहां रात के समय अंधेरा छाया रहता है। इससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार संबंधित जिम्मेदारों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि जनहित से जुड़ी इस समस्या की लगातार अनदेखी की जा रही है। यदि जल्द ही हाईमास्ट/लाइट नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में कोई बड़ी घटना हो सकती है।

मोर गाँव, मोर पानी अभियान ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

पखवाडेभर में 31 हजार से अधिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण

जनजागरूकता, सामुदायिक सहभागिता एवं श्रमदान बना मिसाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मोर गांव, मोर पानी महाभियान अंतर्गत बलौदा बाजार भाटापारा जिले में जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देते हुए अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित आवासों में केवल 15 दिन में 31,066 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। यह उपलब्धि व्यापक जनजागरूकता, सामुदायिक सहभागिता एवं श्रमदान का मिसाल बन गया है।

जनभागीदारी बना जन आंदोलन

कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में मोर गांव, मोर पानी महाभियान 2.0 की शुरूआत जिले में 13 मार्च 2026 से की गई है। इस अभियान के सफल संचालन हेतु तिथिवार कार्यक्रम तय किये गए है। इस उपलब्धि से जल संरक्षण के प्रति जिले की सामूहिक प्रतिबद्धता, जनसहभागिता और सशक्त नेतृत्व परिलक्षित होता है। ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया जिससे अभियान ने एक जन-आंदोलन का रूप ले लिया। प्रत्येक पीएम आवास की औसत साइज लगभग 300 वर्ग फीट है। इनमे निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं वर्षा जल को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अनुमानतः प्रत्येक वर्षा ऋतु में इन संरचनाओं के माध्यम से हजारों लीटर पानी का संग्रहण संभव होगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि, जल संकट में कमी तथा स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

वर्तमान के साथ भविष्य भी सुरक्षित

इस पहल से न केवल वर्तमान जल आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भी यह एक ठोस कदम है। मोर गांव, मोर पानी अभियान ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब प्रशासन और आमजन एक साथ मिलकर संकल्प लेते हैं तो असंभव भी संभव हो जाता है।

प्रशासन की अपील

जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस जन-आंदोलन से जुड़कर अपने घरों एवं गांवों में अधिक से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाएं तथा 'हर घर जल संचय' के लक्ष्य को साकार करने में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल, नवविवाहित जोड़ों को प्रदान किया आशीर्वाद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज कोरबा जिले के प्रवास पर रहे। इस दौरान वे कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम ढपढप-बांकीमोंगरा में आयोजित दिव्य श्री हनुमंत कथा एवं 108 दिव्यांग एवं निर्धन कन्याओं के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से भेंट की और उनके सुखमय जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों को सम्मान स्वरूप पाँच हजार रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा भी की। कोरबा प्रवास के दौरान राज्यपाल डेका से कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री ने भी सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर कोरबा कलेक्टर कुणाल दुदावत सहित अन्य अधिकारी एवं आयोजन समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी प्रदेश के लिए गर्व की बात, बस्तर समेत समूचे प्रदेश से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मिलेगा मौका : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय में केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री सुश्री रक्षा निखिल खडसे ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर विधायक पुरन्दर मिश्रा, भारतीय खेल प्राधिकरण के उप महानिदेशक मयंक श्रीवास्तव एवं खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सुश्री खडसे का शॉल, बस्तर आर्ट से निर्मित आकर्षक प्रतिकृति तथा बस्तर दशहरा पर आधारित कॉफी टेबल बुक भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, संसाधन और सशक्त मंच उपलब्ध कराने की है। राज्य सरकार खेल एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि हाल ही में आयोजित बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक ने प्रदेश को नई पहचान दिलाई है। इन आयोजनों के जरिए अनेक छिपी हुई प्रतिभाएं सामने आई हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। सरकार द्वारा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके कौशल को और निखारने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी करना प्रदेश के लिए गर्व की बात है और हमारे आदिवासी अंचल के युवाओं में यह नई ऊर्जा का संचार करेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर आज जब मुख्यधारा से जुड़ रहा है और वहां शांति स्थापित हुई है तो निश्चित ही आने वाले समय में खेलों में युवाओं की भागीदारी और बढ़ेगी। मुख्यमंत्री नेह्नबस्तर पंडुमह्नका उल्लेख करते हुए कहा कि इस आयोजन में पारंपरिक खेल, गायन, वादन, वेशभूषा एवं व्यंजन सहित 12 विधाओं में लगभग 54 हजार प्रतिभागियों की भागीदारी प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और खेल विरासत का सशक्त उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय राज्य मंत्री सुश्री खडसे ह्नखेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026ह्नमें शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ प्रवास पर हैं। जगदलपुर में आयोजित इस आयोजन को उन्होंने आदिवासी सशक्तिकरण, जमीनी स्तर पर प्रतिभा खोज और खेलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

घटिया निर्माण की भेंट चढ़ा आंगनवाड़ी भवन, पुनर्निर्माण की माँग कर रहे ग्रामीण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। ग्राम कटिन्दा के एक आंगनबाड़ी भवन के निर्माण में घटिया निर्माण की बात निकलकर सामने आई है जहां आंगनबाड़ी का निर्माण घटिया तरीके से किया जा रहा है। पूरा मामला लखनपुर विकासखंड के ग्राम कटिंदा का है जहां ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी निर्माण को लेकर घटिया निर्माण किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्राम कटिंदा के ग्रामीण मोहर साय सिंह सहित अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि आंगनबाड़ी का निर्माण बिना सूचना पटल के घटिया तरीके से किया गया है जहाँ आंगनबाड़ी के छत की ढलाई में गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नही दिया गया है। आंगनबाड़ी की छत में अंदर से देखने पर ढलाई में प्रयुक्त गिट्टी साफ तौर पर देखी जा सकती है वही दीवालों के बीच जोड़ों में भी ढंग से कार्य नहीं किया गया है तथा आधा अधूरा कार्य करके आंगनवाड़ी भवन को तैयार कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि आंगनबाड़ी में घटिया निर्माण की झलक साफ तौर पर देखा जा सकती है ऐसे में निर्माण के बाद कितने दिन तक यह भवन चलेगा यह सुनिश्चित नहीं है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार और छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा की गई व्यवस्थाएं राष्ट्रीय स्तर पर बटोर रही है सराहना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार और छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा की गई व्यवस्थाएं राष्ट्रीय स्तर पर सराहना बटोर रही हैं। विभिन्न राज्यों से आए खेल अधिकारियों एवं कोचों ने सरगुजा जिले के मैनपाट में स्थित प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर यहां की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और आत्मीय आतिथ्य का अनुभव किया। अतिथियों ने मैनपाट के प्रसिद्ध तिब्बती मोनेस्ट्री, रहस्यमयी उल्टा पानी तथा अद्वितीय प्राकृतिक स्थल जलजली का भ्रमण किया। इन स्थलों की विशिष्टता और प्राकृतिक आकर्षण ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अधिकारियों और कोचों ने कहा कि मैनपाट न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए एक अनूठा पर्यटन गंतव्य है, जहां प्रकृति और शांति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। भ्रमण के दौरान सभी मेहमानों ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के सैला रिसॉर्ट में दोपहर भोजन का आनंद लिया। यहां पर परोसे गए पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों जैसे चीला, फरा, ठेठरी-खुरमी और देशी स्वाद से भरपूर भोजन की मेहमानों ने खुले दिल से सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि ह्नछत्तीसगढ़ का भोजन जितना सरल है, उतना ही स्वादिष्ट और पौष्टिक भी है। अतिथियों ने विशेष रूप से मैनपाट के स्थानीय निवासियों के सहज, सरल और आत्मीय व्यवहार की भी प्रशंसा की। उनका कहना था कि यहां का आतिथ्य उन्हें अपने घर जैसा अपनापन महसूस कराता है, जो छत्तीसगढ़ की पहचान को और मजबूत बनाता है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के सौजन्य सेह्नखेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में शामिल खिलाड़ियों, अधिकारियों और कोचों को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है।

भाजपा का महाप्रशिक्षण कैबिनेट मंत्री के उपस्थिति में हुआ संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण वर्ग का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण वर्ग नगर के नवीन सामुदायिक भवन में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने भाग लेकर संगठनात्मक एवं वैचारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री राजेश अग्रवाल तथा भाजपा जिला अध्यक्ष भरत सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी सहित जिला एवं मंडल के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। ध्वजारोहण के पश्चात अतिथियों ने पार्टी के इतिहास एवं योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में भरत सिंह सिसोदिया ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पार्टी की विचारधारा, संगठन की मजबूती एवं आगामी रणनीतियों पर प्रकाश डाला। मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सरकार की योजनाओं एवं संगठन की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान अतिथियों का स्वागत मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, महामंत्री सचिन बंसल एवं महेश्वर राजवाड़े द्वारा पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर किया गया। दूसरे सत्र में पूर्व जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह मुख्य वक्ता रहे जबकि अध्यक्षता पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विश्वनाथ गुप्ता ने की। तृतीय सत्र में अंबिकेश केसरी मुख्य वक्ता तथा दिनेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चतुर्थ सत्र में श्रीमती फुलेश्वरी सिंह मुख्य वक्ता रहीं एवं अध्यक्षता श्रीमती रामकुमारी सिंह ने की। प्रथम दिवस का अंतिम सत्र नितेश सिंह के मुख्य वक्तव्य के साथ सम्पन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता बृजकिशोर पांडे ने की। इस दौरान रात्रि विश्राम, भोजन एवं सांस्कृतिक/मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिससे कार्यकताओं में उत्साह का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महामंत्री विनोद हर्ष, श्रीमती अरुणा सिंह एवं रूपेश दुबे सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दूसरे दिवस के प्रथम सत्र में धनंजय द्विवेदी मुख्य वक्ता रहे एवं अध्यक्षता कामेश्वर राजवाड़े ने की। द्वितीय सत्र में मनोज गुप्ता ने कार्यकताओं को संबोधित किया, जिसकी अध्यक्षता कामेंद्र राजवाड़े ने की। अंतिम सत्र में राधेश्याम ठाकुर मुख्य वक्ता रहे तथा अध्यक्षता जयराम राजवाड़े ने की। सभी वक्ताओं ने अलग-अलग विषयों पर कार्यकताओं को पार्टी के इतिहास, नीति, सिद्धांत एवं संगठनात्मक कार्यप्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, जिला उपाध्यक्ष दिनेश साहू, कार्यक्रम प्रभारी यतेंद्र पाण्डेय महामंत्री सचिन बंसल सहित विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उनकी टीम सहित, नगर पंचायत एवं मंडल के अनेक जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समापन सभी पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं कार्यकताओं के सक्रिय सहयोग से हुआ। इस प्रशिक्षण वर्ग ने कार्यकताओं में संगठन के प्रति नई ऊर्जा, उत्साह एवं वैचारिक स्पष्टता का संचार किया।

सम्पादकीय

बिहार की राजनीति से नीतीश की केंद्र में एंट्री

बिहार की राजनीति में एक संभावित बड़े मोड़ की आहट सुनाई दे रही है। सीएम नीतीश कुमार का विधान परिषद से इस्तीफा महज एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक लंबे राजनीतिक युग के अंत का संकेत है। जिस नेता ने लालू प्रसाद यादव के कथित जंगलराज के बाद सुशासन और विकास की राजनीति को स्थापित किया, वही अब केंद्र की ओर कदम बढ़ाते दिख रहे हैं। यह बदलाव केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि बिहार की सत्ता संरचना और राजनीतिक संतुलन का भी पुनर्संयोजन है। नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर हमेशा से व्यावहारिकता, संतुलन और समय के साथ खुद को ढालने की क्षमता का प्रतीक रहा है। वे न तो पूर्णतः वैचारिक राजनीति के बंधन में बंधे, न ही केवल अवसरवाद के प्रतीक बने। यही कारण है कि वे कई बार सत्ता के समीकरणों को अपने पक्ष में मोड़ने में सफल रहे, लेकिन इस बार मामला अलग है। राज्यसभा के लिए उनका चुना जाना और उसके बाद विधान परिषद से इस्तीफा देना इस ओर संकेत करता है कि उनकी भूमिका अब राज्य की सीमाओं से बाहर जाकर राष्ट्रीय राजनीति में अधिक प्रभावशाली हो सकती है। हालांकि यह देखने वाली बात है कि केंद्र में उनकी भूमिका क्या रहेगी। संवैधानिक रूप से भले ही वे छह महीने तक मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं, परंतु संकेत साफ हैं बिहार में नेतृत्व परिवर्तन की जमीन तैयार हो चुकी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या बिहार में पहली बार भाजपा अपना मुख्यमंत्री बना पाएगी? भाजपा के लिए यह अवसर जितना आकर्षक है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। अब तक बिहार की राजनीति में वह सहयोगी की भूमिका में रही है, जहां अंतिम निर्णयों में जनता दल (यूनाइटेड) और विशेषकर नीतीश कुमार का प्रभाव निर्णायक रहा। यदि भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाती है, तो उसे केवल सत्ता संभालने की नहीं, बल्कि सामाजिक और जातीय समीकरणों को साधने की कठिन परीक्षा से भी गुजरना होगा। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। कुशवाहा समाज से आने वाले सम्राट चौधरी ओबीसी समीकरणों को साधने में भाजपा के लिए उपयोगी हो सकते हैं। वहीं नित्यानंद राय का नाम भी चर्चा में है, जो यादव समुदाय से आते हैं और केंद्र में अनुभव रखते हैं। इन नामों के बीच संतुलन बनाना भाजपा के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि बिहार की राजनीति में जातीय आधार अब भी निर्णायक भूमिका निभाता है। यहां एक और महत्वपूर्ण पहलू है नीतीश कुमार की "मौन सहमति"। भले ही वे औपचारिक रूप से पद छोड़ दें, लेकिन उनके राजनीतिक प्रभाव को नजरअंदाज करना किसी भी दल के लिए जोखिम भरा होगा। भाजपा को यह समझना होगा कि बिहार में स्थिरता बनाए रखने के लिए नीतीश की भूमिका अभी समाप्त नहीं हुई है। उनकी सहमति और समर्थन के बिना कोई भी नया नेतृत्व अस्थिरता का शिकार हो सकता है। दूसरी ओर, विपक्ष भी इस बदलाव को अवसर के रूप में देख रहा है। राजद और अन्य दल इस स्थिति में राजनीतिक असंतोष को भुनाने की कोशिश करेंगे। यदि भाजपा नेतृत्व परिवर्तन में कोई चूक करती है, तो यह विपक्ष के लिए बड़ा मौका बन सकता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि बिहार एक नए राजनीतिक अध्याय के द्वार पर खड़ा है। नीतीश की केंद्र में संभावित एंट्री जहां राष्ट्रीय राजनीति को नया आयाम दे सकती है, वहीं, राज्य में नेतृत्व परिवर्तन कई नए समीकरणों को जन्म देगा। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार की राजनीतिक दिशा और दशा तय करने वाला क्षण है।

मुद्दा
उमेश चतुर्वेदी

2019 में केंद्रीय गृह मंत्रालय की कमान संभालने के बाद अमित शाह ने तो खुलेआम नक्सलियों को चेतावनी देनी शुरू कर दी कि या तो वे हथियार डालें या फिर गोली खाने के लिए तैयार रहें। इसके साथ ही उन्होंने 31 मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा से देश को मुक्त कर देने का ऐलान कर दिया था। जिस तरह हाल के दिनों में शीर्ष नक्सली कमांडर या तो मारे गए हैं या फिर उन्होंने हथियार डाले हैं, उससे लगता है कि भाजपा सरकार का देश से किया यह वादा पूरा होने जा रहा है। वैसे इसमें राज्य सरकारों द्वारा जारी पुनर्वास योजनाओं की भी बड़ी भूमिका रही है। राज्य सरकारों ने नक्सलियों की वापसी के बाद उन्हें नई जिंदगी शुरू करने के लिए तत्काल डेढ़ लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी है।

माओवाद का खात्मा और पुनर्वास नीति

कभी देश के एक तिहाई हिस्से पर अपनी समानांतर सरकार चलाने वाली माओवादी विचारधारा का क्या आज अंत हो जाएगा? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो चुका है, क्योंकि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्रीय सरकार ने आज ही के दिन को माओवादी आतंकवाद का आखिरी दिन घोषित कर रखा है। ठीक एक हफ्ते पहले यानी 25 मार्च को बस्तर के मुख्यालय जगदलपुर में शीर्ष माओवादी नेता पापा राव के नेतृत्व में 18 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, तब कहा गया कि पापा राव आखिरी महत्वपूर्ण नक्सली कमांडर हैं और उन्होंने भी हथियार सौंप दिए हैं। 2014 के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में माओवाद पर लगाम का वादा किया था। तब झीरम घाटी कांड की याद ताजा थी, जिसमें विद्याचरण शुक्ल समेत छत्तीसगढ़ कांग्रेस का तकरीबन समूचे शीर्ष नेतृत्व को माओवादियों ने घेरकर मार डाला था। वैसे तो नक्सली खुद भी मानते रहे हैं कि उनके लिए कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की सरकारों में खास अंतर नहीं रहा। अलबत्ता कांग्रेस की सरकार उस स्तर तक माओवादी हिंसा के खिलाफ सख्त कदम उठाने से बचती रही हैं, जिस तरह के कदम बीजेपी की अगुआई वाली सरकारें उठाती रही हैं।

बस्तर में छह अप्रैल 2010 को बारूदी सुरंगों के जरिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 76 जवानों को उड़ाने के बाद नक्सलियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी गुस्सा था। मनमोहन सिंह की अगुआई वाली तत्कालीन केंद्र सरकार माओवादियों के खिलाफ सैनिक कार्रवाई का मन बना चुकी थी, लेकिन माओवादी विचारधारा वाली सिविल सोसायटी के दबाव में यह विचार उसने त्याग दिया था, लेकिन बीजेपी ने माओवादियों के लिए कोई रियायत नहीं बरती। 2019 में केंद्रीय गृहमंत्रालय की कमान संभालने के बाद अमित शाह तो खुलेआम नक्सलियों को चेतावनी देनी शुरू कर दी कि या तो वे हथियार डालें या फिर गोली खाने के लिए तैयार रहें। इसके साथ ही उन्होंने 31 मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा से देश को मुक्त कर देने का ऐलान कर दिया था। जिस तरह हाल के दिनों में शीर्ष नक्सली कमांडर या तो मारे गए हैं या फिर उन्होंने हथियार डाले हैं, उससे लगता है कि बीजेपी सरकार का देश से किया यह वादा पूरा होने जा रहा है। वैसे इसमें राज्य सरकारों द्वारा जारी पुनर्वास योजनाओं की भी बड़ी भूमिका रही है। इस सिलसिले में छत्तीसगढ़ सरकार का विशेष तौर पर उल्लेख किया जाना चाहिए। माओवादी विचारधारा के प्रभाव आकर घर-परिवार, सुख-चैन छोड़कर जंगलों की खाक छानने और मौजूदा सत्ता से जूझने वाले माओवादी युवाओं को मुख्यधारा में लाने में सिर्फ केंद्रीय सुरक्षा बलों की गोलियों ने ही भूमिका नहीं निभाई है, बल्कि राज्यों की पुनर्वासय योजनाओं का भी बड़ा योगदान रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 2025-26 की अपनी पुनर्वास नीति में हिंसा छोड़ने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें उसका 'पूना मारगेम' अभियान प्रमुख रहा। इन दोनों शब्दों का अर्थ है 'नया रास्ता'। इसके तहत दंडकारण्य क्षेत्र के सैकड़ों माओवादी कैडरों को मुख्यधारा में वापस लाने की सफल कोशिश हुई। इस योजना के तहत नक्सलियों की वापसी के बाद उन्हें नई जिंदगी शुरू करने क के लिए तत्काल डेढ़ लाख रुपये तक की आर्थिक

सहायता दी गई, साथ ही उन्हें तीन साल के लिए मासिक वजीफा और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाना शुरू हुआ। इसका मकसद यह रहा कि हथियार छोड़ने के बाद मुख्यधारा में लौटे माओवादी आत्मनिर्भर जिंदगी बीता सकें। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने हथियार सौंपने वाले माओवादियों को अलग से प्रोत्साहन राशि देने की भी व्यवस्था की। इससे राज्य में माओवादियों के समर्पण में तेजी आई। हथियार छोड़ने वाले माओवादियों के बच्चों की शिक्षा का इंतजाम किया गया, इसके साथ ही उन्हें सुरक्षित आवास भी मुहैया कराए गए। इसके साथ ही उन्हें वापसी के बाद भयमुक्त जीवन गुजारने के लिए परिवार की सुरक्षा की गारंटी भी दी गई। ये योजनाएं अभी खत्म नहीं हुई हैं और जारी भी हैं। कभी माओवादियों के डर से बस्तर में सड़कें तक बनाना संभव नहीं था, बिजली पहुंचाना भी कठिन था, लेकिन केंद्र सरकार की शह पर राज्य सरकार ने बस्तर जैसे हिंसा प्रभावित क्षेत्र में भी सड़क, स्कूल और अस्पतालों का निर्माण कराने में तेजी दिखाई। बस्तर के कुछ इलाके में रेलवे लाइन भी पहुंच गई है। अब इस इलाके में सड़कें भी बेहतर हो गई हैं। इन कदमों से माओवादी प्रभाव में रहने वाले इलाकों में भरोसा बहाली में मदद मिली। सरकारी योजनाओं के साथ ही सरकार के प्रति भी लोगों का रवैया बदला।

इसका असर साफ नजर आया। छत्तीसगढ़ में पिछले 26 महीनों में 2,700 से अधिक माओवादियों ने सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण किया है। सिर्फ मार्च 2026 में जगदलपुर में 108 माओवादियों ने समर्पण किया। इसके पहले 210 ने किया था। अक्टूबर 2025 में भी170 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। इसे राज्य में नक्सलविरोधी सुरक्षा अभियान और पुनर्वास कार्यक्रम की मिलीजुली सफलता के रूप में देखा जाना चाहिए। माओवादी अगर मुख्यधारा में लौटे तो इसकी एक मात्र वजह सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति और केंद्र सरकार के ₹विश्वास, विकास और सुरक्षा₹ के त्रिकोणीय मॉडल की कामयाबी रही। छत्तीसगढ़ सरकार अब इससे भी आगे बढ़ गई है और पुनर्वास से पुनर्जीवन की नीति पर आगे बढ़ रहा है। कभी पशुपति से तिरुपति यानी नेपाल से आंध्र तक का जंगली इलाका लाल गलियारे के रूप में विख्यात था। यहां सुरक्षा बलों के लिए भी घुसना आसान नहीं था। इन इलाकों में देश के तकरीबन एक तिहाई जिले आते थे। इन जिलों में माओवादी वैचारिकी के असर वाले हथियारबंद दस्तों की सत्ता चलती थी। माओवादी स्कूलों, रेलवे लाइनों, पुलिस थानों, डाकघरों को निशाना बनाते थे। चूंकि विकास की धारा इन इलाकों में माओवादी हथियारबंद दस्तों के अवरोध के चलते बह नहीं पा रही थी, इस लिए अविश्वास का माहौल बढ़ता रहा। लेकिन मोदी सरकार ने सत्ता संभालते ही एक तरफ माओवादियों को उन्हीं की तर्ज में गोली का जवाब गोली से देना शुरू किया, वहीं दूसरी तरफ उनके पुनर्वास के साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास की धारा को भी बहाने की कोशिश तेज की। माओवादी कहते रहे हैं कि सत्ता की राह बंदूक की गोली से निकलती है, बारूद से निकलती है, मोदी सरकार ने कुछ उसी अंदाज में माओवादी सत्ता की राह बंदूक और बारूद से रोका, लेकिन दूसरी तरफ पुनर्वास अभियान भी जारी रखा। वैसे यह भी सच है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं, एक विचारधारा के रूप में वह माओवाद भी जिंदा रह सकता है। लेकिन अब उसके उस तरह प्रतिबद्ध अनुयायी नहीं होंगे, उनकी गोलियों की आवाज और धमक भी नहीं होगी। अगर यह विचारधारा लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकतांत्रिक तरीके से आगे बढ़े तो शायद ही किसी को एतराज होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि अगर यह विचारधारा जिंदा भी बचती है तो वह लोकतांत्रिक ढंग से आगे बढ़ेगी, हथियारों के दम पर नहीं।

(लेखक प्रसिद्ध लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ईंधन संकट
अखिलेश आर्येन्दु

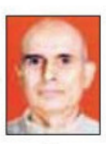

रूस का खामोश खेल और भारत में तेल-गैस की चुनौती

रूस ने 1 अप्रैल से चार महीने के लिए पेट्रोल (गैसोलीन) के निर्यात को स्थगित करने की घोषणा की है। इस घोषणा के पीछे रूस ने अपने घेरलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और वैश्विक बाजार में तेल की बढ़ रही कीमतों को नियंत्रित करने के बाबत उठाया गया कदम बताया है। रूस की इस घोषणा से दुनियाभर में तेल की कीमतों में हलचल देखा जा रहा है। रूस रोजाना 1,20,000 से 1,70,000 बैरल तेल निर्यात करता है। इससे उसको रोजाना करोड़ों डालर की आमदनी होती है। ब्राजील, चीन, तुर्की, सिंगापुर और अफ्रीका उसके मुख्य तेल के खरीददार हैं। भारत भी बहुत बड़े पैमाने पर रूस से तेल खरीदता है, लेकिन वह तेल कच्चा होता है। रूस से जो तेल भारत को अभी तक मिलता रहा है वह अन्य देशों से खरीदे गए तेलों से सस्ता और बेहतर है। इसलिए कहा जा रहा है कि जब रूस तेल निर्यात करना बंद कर देगा तो, भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सस्ते दामों पर खरीदने का कार्य किन देशों से करेगा? यह भी कहा जा रहा है कि रूस दुनिया के दूसरे देशों को तेल देना भले बंद कर देगा, लेकिन भारत को कच्चा तेल देना बंद नहीं करेगा। सवाल यह किया जा रहा है कि रूस तेल के मामले में इस तरह का कदम क्यों उठाने जा रहा है? इसके पीछे उसका कोई बड़ा मकसद हासिल करना है या दुनिया को यह एहसास कराना है कि महाशक्ति रूस है, अमेरिका नहीं, जिसके पास तेल रूपी हथियार की वह ताकत है जो अमेरिका के पास नहीं है। सामरिक जानकारी रखने वालों का कहना है कि तेल निर्यात बंद करने की घोषणा के पीछे रूस का वह खामोश खेल है जो वह चुपचाप खेल रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि रूस दुनिया की तेल के बाजारों में तेल की कीमतों को उस ऊंचाई तक ले जाना चाहेगा जिससे उसे बहुत बड़ी धनराशि कुछ ही दिन में मिल जाएगी। दूसरी बात। रूस की इस नई घोषणा से तेल के लिए निर्भर देश उससे इस घोषणा को वापस लेने का दबाव बना सकते हैं, जिसके जवाब में रूस अपनी नई नीति और योजना का खुलासा उपयुक्त अवसर पर कर सकता है। इस वक्त दुनिया के तेल बाजार में उतार-चढ़ाव की हलचल देखी जा रही है। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध होते 20 दिन गुजर चुके हैं। अमेरिका ने एक सप्ताह पहले भारत सहित दुनियाभर के उन देशों से निवेदन किया था कि रूस से तेल खरीदने वाले सभी देश वहां से ज्यादा से ज्यादा तेल खरीदें, जिससे दुनिया में तेल को लेकर कोई संकट न खड़ा हो। लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान द्वारा तेल जहाजों की नाकेबंदी ने अमेरिका की इस अपील को मूर्तरूप नहीं दिया जा सका। यहां तक कि चीन के तेल टंकरों को ईरान (होर्मुज) गुजरने की अनुमति नहीं दे रहा है।

रूस की खामोशी इस तरह की है जैसे बरात बिदा हो जाने के अगले दिन होती है। वह ईरान को मदद इस तरह से कर रहा है जो न तो पूरी तरह परोक्ष है और न तो पूरी तरह अपरोक्ष ही है। रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने खुलकर यूक्रेन का साथ दिया और अपने मित्र देशों से दिलवाया भी, लेकिन रूस की नीति इस मामले में एकदम अलग तरह की है। वह ईरान को नैतिक मदद दे रहा है साथ ही, तेल के मामले में ईरान को होर्मुज में नाकेबंदी कर आमदनी बढ़ाने की सलाह गुपचुप दे रहा है।

भारत में धीरे-धीरे ही सही गैस और तेल संकट का आगाज दिखाई देने लगा है। केंद्र सरकार लगातार गैस और तेल की किल्लत से इनकार जरूर कर रही है, लेकिन दिल्ली से बाहर गैस संकट साफ दिखाई देने लगा है। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते से गैस और तेल के जहाज भारत पहुंच तो रहे हैं, लेकिन उतने नहीं, जितने की जरूरत है। दूसरी बात। देशभर में जमाखोरों के पौ-बारह होते दिखाई दे रहे हैं। यह भ्रष्टाचार, चोरबाजारी और कालाबाजारी की वजह से आया हुआ संकट है, जिसे तेल आयात करके नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन और खुफिया-तंत्र को सक्रिय और जागरूक करके कम किया जा सकता है। गैस और तेल की पूर्ति के लिए आत्मनिर्भर होने की कावयद वर्षों से होती रही है, लेकिन सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, गैस गोबर और कचरे व अन्य चीजों से बनाई तेल व गैस की पूर्ति नहीं हो पाई है। भारत के सामने जैसी चुनौती है उससे कहीं ज्यादा चुनौती भारत के पड़ोसी देशों में देखी जा रही है। फिर भी परेशानी से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता है। केंद्र सरकार पूरी तरह मुस्तैदी से इस संकट को दूर करने में अपना उच्चतम प्रयास कर रही है, जिसमें सफलता भी मिल रही है, लेकिन देश के हर व्यक्ति को इस नए संकट से पैदा होने वाली परेशानियों और चुनौतियों को मिलकर हल करना होगा, जो धैर्य के साथ हो सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संपत्ति को परमार्थ में न लगाना ही असफलता

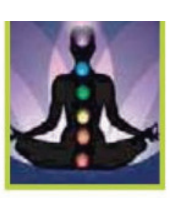

संकलित
दर्शन

संतोष सभी गुणों में सर्वोपरि है। जीवन में संतुष्टि है, तो सद्गुणों को अपनाना सहज है। जहां सद्गुणों का वास है, वहां दुर्गुणों का नाश हो ही जाता है। क्योंकि, असंतुष्टि अशांति व अवगुणों की जननी है। असंतुष्टि का कारण अप्राप्ति है, किसी न किसी इच्छा या अपेक्षा की अपूर्ति है। ईश्वरीय ज्ञान, गुण व शक्तियों की प्राप्ति, धारणा व उपार्जन से इंसान की सभी सदिच्छाओं व आवश्यकताओं की सहज पूर्ति हो जाती है। संतुष्ट आत्मा बनने का अर्थ है सदा सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलना। संतोष द्वारा सर्व दिव्य गुणों का आह्वान होता है, जिससे सर्व अवगुणों की आहुति स्वतः हो जाती है। जीवन में अप्राप्ति या असंतुष्टि का कारण अंदर की कमियां या कमजोरियां ही हैं, जो परमात्म ज्ञान और योग साधना की प्राप्तियों से दूर हो जाती हैं। जिन्हें सर्व प्राप्तियां हैं, उसके चिह्न उनके मुख और व्यक्तित्व में प्रसन्नता के रूप में दिखाई देते हैं। आजकल लोगों के चेहरे पर सदा प्रसन्नता की झलक देखने को नहीं मिलती है। इंसान कभी प्रसन्नचित्त है तो और कभी प्रश्नचित्त बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में हम क्यों, क्या, कैसे, कब... जैसे प्रश्नों से प्रश्नचित्त बन जाते हैं। पर कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो सदा प्रसन्नचित्त होते हैं। उनकी किसी भी बात में प्रश्न नहीं होता है। जो प्राप्तियों से सम्पन्न होता है, उसमें हलचल नहीं होती है। जो खाली होता है, उसमें हलचल होती है। स्वयं से पूछिए कि क्या मैं सदा प्रसन्नचित्त रहता या रहती हूं? यदि प्रसन्नता कम होती है तो उसका कारण प्राप्ति की इच्छा है।

गणेश विनायक जी की कथा

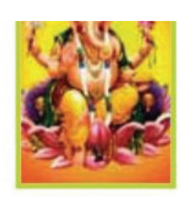

संकलित
प्रेरणा

एक गांव में मां-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी मां से कहने लगी कि गांव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊंगी। माँ ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घण्टी में पानी दिया। मां ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बचा पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गांववाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापिस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि मांगो तुम क्या माँगती हो? लड़की मन में सोचने लगी कि क्या मांगू? अन्न मांगू या धन मांगू या अपने लिए अच्छा वर माँगू या खेत मांगू या महल मांगू! वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुंची तो मां ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।

छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य कानून -2026, धर्म स्वातंत्र्य अंतःकरण की स्वतंत्रता और उच्चश्रृंखलता के मध्य एक लक्षमण रेखा

मनोज कुमार सिंह
जिला प्रशासनिक समन्वय प्रमुख
धर्मजागरण समन्वय

नवरात्रि के प्रथम दिवस छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अवैध धमार्तरण कानून लाया गया। जो राजपत्रों में छ०ग० धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2026 है। अनुच्छेद 25 अंतःकरण की स्वतंत्रता देता है। अतः कोई भी भारतीय अपनी स्वेच्छानुरूप धर्म पंथ का पालन संरक्षण व प्रसार कर सकता है। सूक्ष्म बिंदू यह है कि अनुच्छेद 25 इच्छानुरूप व निर्बाध धर्मपालन की स्वतंत्रता देता है, पर यहां धर्मातरण शब्द का उल्लेख नहीं है और ना ही वह धर्मांतरण कराये जाने की स्वतंत्रता देता है। धार्मिक स्वतंत्रता के नाम धार्मिक कदाचरण संवैधानिक संकट का भी द्योतक होता है? छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अंतःकरण की स्वतंत्रता और अंतःकरण की इसी उच्चश्रृंखलता के मध्य एक लक्षमण रेखा भी है।

ईसाई संगठनों द्वारा इसका विरोध भी किया जा रहा है। उनके अपने तर्क और विरोध है। हम किसी भी कानून का विरोध तभी करते है, जब हमें लगता है हमें अधिकारो या विशेषाधिकारों पर गैर युक्तियुक्त प्रतिषेधित किया जा रहा है। अतः इसका विरोध स्वमेव सिद्ध करता है कि धमार्तरण व्यापक स्तर पर होता है। छ० ग० धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2026, म०प्र० धार्मिक स्वतंत्रता कानून 1968 का विस्तार और सुदृढीकरण है। इसमें धर्मांतरण के लिए प्रयुक्त होने वाले उपादानों की सूक्ष्म व विस्तृत व्याख्या की गई है। मुफ्त शिक्षा, मुफ्त चिकित्सा तथा संपन्न जीवन या विवाह के माध्यम से धर्मांतरण को प्रतिबंधित किया है।

आज अधिकांश पूर्वोत्तर राज्य, तमिलनाडु, केरल की आबादी का मतांतरण किया जा चुका है और झारखंड, छत्तीसगढ़ भी इसी कतार में खड़े है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है की धर्मांतरण का उद्देश भारत में परंपरागत रूप से स्थापित सांस्कृतिक व सामाजिक मान्यताओं को बदल देना है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी चिंता व्यक्त जताई है कि, यदि मतांतरण पर रोक नहीं लगाई गई तो बहुसंख्यक आबादी को अल्पसंख्यक बना दिया जायेगा। इस अधिनियम में धर्मांतरण की पूर्व सूचना और जांच डीएम या एडीएम स्तर के अधिकारी करेगे, गवाह आहूत करने का भी प्रावधान है। इस अधिनियम की व्यवहारिकता है यह कि, जैसा प्रायः देखा जाता है की अपनी पारंपरिक स्थानीय मान्यता और अनुष्ठानों का त्याग कर अन्य धर्म का पालन करना बंद कर चुका व्यक्ति भी स्वंय को गैर मतांतरित होने का दावा करता था।लेकिन अब ऐसे मामलो को धर्मांतरण समझा जायेगा।

किसी धर्म को हानिकारक ढंग से प्रस्तुत करना, एक धर्म के विरूद्ध दूसरे धर्म का महिमामंडन करना धर्मांतरण निरूपित किया गया है। इस अधिनियन के तहत धर्मांतरण करने के लिए विदेशी फंडिग पर भी रोक लगाई गई है।

धर्मांतरण करने वाले व्यक्ति पर यह सिद्ध करने का विधिक उत्तरदायित्व होगा कि उसने लोभ व बल के द्वारा मतांतरित नही किया है। यह सिद्ध करने पर असफल होने पर कारावास या अर्थ दंड दोनो से अथवा दोनो से दंड़ित किया जा सकेगा। धर्मांतरण सिद्ध होने पर कारावास से लेकर दस लाख रुपए तक का अर्थ दंड तथा सामूहिक मतांतरण सिद्ध होने पर आजीवन कारावास लेकर 25 लाख रुपए तक का अर्थदंड का प्रावधान किया गया है। 1968 के प्रावधानो में धर्मांतरण के लिए प्रलोभन को अवैध करार दिया गया था लेकिन प्रलोभन शब्द को परिभाषित नही किया गया था।

छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम में प्रलोभन शब्द की विस्तृत व्याख्या है। जैसे नौकरी का प्रलोभन, शिक्षा स्वास्थ्य या अन्य अनुवृत्तियों को भी प्रलोभन की परिभाषा में शामिल किया गया है। अनुच्छेद 25 के कपट पूर्ण दुरूपयोग में सह रूप में अनुच्छेद 19 वाक्य अभिव्यक्ति की स्वतंत्रा का दुरूपयोग करते हुए मतांतरित करने वाली शक्तियां अन्य धर्म के देवी-देवताओं व स्थापित मान्यताओं की निंदा करते हुए अपने देवता और मान्यताओं की श्रेष्ठता सिद्ध करते थे। छ० ग० धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम ऐसी प्रवृत्तियों पर युक्तियुक्त ढंग से प्रतिबंध लगाता है। महत्वपूर्ण यह है की संविधान सभी धर्मो के प्रति समान सम्मान का भाव प्रगट करता है। तब क्या अपने धर्म के विरूद्ध किसी अन्य धर्म का विरूपण किया जाना चाहिए? छत्तीसगढ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम ऐसी सभी प्रवृत्तियों पर रोक लगाता है। इस अधिनियम में मतांतरित लोगो का मूल धर्म में वापसी धर्मांतरण नही है।

चूंकि पूर्व उच्चतम न्यायलय ने धर्मांतरण गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कह चुका है कि धमार्तरण का उद्देश्य भारत की परंपरागत रूप से स्थापित सामाजिक मान्यताओं के विरूद्ध षडयंत्र कर उसे बदल कर अपनी व्यवस्था आरंभ करना है। ऐसे कुत्तिस बदलाओं के लिए सामाजिक संघर्षो की पहली चिंगारियों का उल्लेख भवानी शंकर नियोगी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में तात्कालिन सरगुजा के कुछ मामलो में किया है। (1) मौजा चंदो(चांदो बलरामपुर) के पदरी मे 5/5/1951 के.सी.बर्डित नें एक ट्रक में जूलुस निकाल कर हिंदूओं के विरूद्ध नारे लगवाये। (2) बैकुंठपुर के मौजा सलबा में सोला ईसाई प्रचारको नें 7/11/1952 को चरन उरांव के घर हमला किया क्योंकि उसने धर्मांतरण का विरोध किया था। इसी तरह आमाडोली गांव के मुखिया को ईसाई प्रचारको द्वारा मारा गया। गत वर्ष असम का जातीय संघर्ष और वर्ष2004 से 2021 के बीच कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर और सुकमा हिंसा सुप्रीम कोर्ट की चिंताओ का प्रगट रूप है। छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम अपनी व्यापकताओं, व्यवहारिकताओं व कठोरता और सूक्ष्मताओं के साथ प्रदेश की सामाजिक व धार्मिक समरसता को कायम रखने और अवैध मतांतरण के विरूद्ध मील का पत्थर सिद्ध होगा।

भाजपा ने केरल और असम के लिए घोषणापत्र किया जारी

जरूरतमंद महिलाओं को 2500 रुपए मासिक मिलेंगे और साल भर में 2 सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे, एम्स और हाई स्पीड रेल नेटवर्क भी बनाएंगे

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

भाजपा ने केरल चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। इसमें जरूरतमंद महिलाओं को दवा और किराने के सामान के लिए 2,500 रुपए के मासिक रिचार्ज वाला भक्ष्य आरोग्य सुरक्षा कार्ड देने का वादा किया गया है। भाजपा का घोषणा पत्र पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने किया जारी। इसमें केरल में एम्स स्थापित करने की बात भी कही गई है। इसके अलावा तिरुवनंतपुरम को कन्नूर से जोड़ने के लिए हाई स्पीड रेल नेटवर्क की भी बात है। केरल के लिए भाजपा के घोषणापत्र में कहा गया है कि गरीब परिवारों को साल में 2 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। इनमें से एक सिलेंडर ओणम के दौरान मिलेगा और एक क्रिसमस के दौरान। इसके अलावा केरल में सबरीमाला, गुरुवायुर जैसे उपासना स्थलों के संरक्षण के लिए देवस्वोम बोर्ड के पुनर्गठन का वादा भी किया गया है।

भाजपा ने केरल चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है
भाजपा का घोषणा पत्र पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने किया जारी

घोषणा पत्र जारी करते भाजपा के अध्यक्ष नितिन नबीन

कांग्रेस-माकपा मैच फिक्सर

नबीन ने माकपा और कांग्रेस पर मैच फिक्सर होने और केरल की जनता के साथ खेल खेलने का आरोप लगाया। नबीन ने लोगों से भाजपा को वोट देने का भी आग्रह किया। भाजपा नेता ने यहां अटिंगल में अपने रोड शो के दौरान और बाद में एक बड़ा आरोप लगाया। नबीन ने दावा किया कि वे मैच फिक्सर हैं। वे पिछले कई सालों से केरल की जनता के साथ खेल, खेल रहे हैं। जनता अब बदलाव चाहती है। उन्हें भ्रष्टाचार मुक्त और विकासोन्मुखी सरकार चाहिए और केवल भाजपा ही ऐसा कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि राजग केरल में सरकार बनाएगा।

वित्त मंत्री सीतारमण ने असम का घोषणपत्र जारी किया

प्रवासियों से वापस लेंगे कब्जाई जमीन, 3 माह में लागू करेंगे यूसीसी

गुवाहाटी। भाजपा ने असम में चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को ये घोषणापत्र जारी किया, जिसमें मूल निवासियों की जमीन, विरासत और सम्मान की सुरक्षा और बुनियादी ढांचा के लिए 5 लाख करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया गया है। भाजपा के 'संकल्प पत्र' में 31 वादे किए गए हैं, जिनमें बांग्लादेशी प्रवासियों से अतिक्रमित जमीन वापस लेने, यूसीसी लागू करने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने के वादे किए गए हैं।

केजी-पीजी तक मुफ्त शिक्षा का वादा किया

चुनावी घोषणा पत्र में युवाओं के लिए 2 लाख सरकारी नौकरियां देने और 8वें वेतन आयोग को लागू करने का संकल्प लिया गया है। इसके अलावा महिला सशक्तिकरण की दिशा में 'ओरुनोदोई' योजना के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता को बढ़ाकर 3,000 रुपए प्रति माह करने का वादा किया गया है। एक्सप्रेसवे और 'वंदे भारत' ट्रेन परियोजनाएं शामिल हैं। संकल्प पत्र में गरीब परिवारों के बच्चों के लिए केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा का वादा भी किया गया है।

'लव और लैंड जिहाद' के खिलाफ लाएंगे नया कानून घुसपैठिए होंगे बाहर: सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि एक बार फिर सत्ता में आने पर भाजपा राज्य में 3महीने के भीतर यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करेगी। घोषणापत्र में कहा गया है कि राज्य के आदिवासियों और अन्य जातीय समुदायों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना लागू किया जाएगा। हम 'लव और लैंड जिहाद' के खिलाफ भी सख्त कानून लाएंगे और राज्य के जिला आयुक्तों को 'अवैध प्रवासी निष्कासन अधिनियम, 1950' लागू करने का अधिकार देंगे, जिसके तहत उन्हें 24 घंटे के भीतर विदेशियों को निष्कासित करने का अधिकार होगा। भाजपा हमारे जंगलों और अन्य जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेगी। हम बांग्लादेशी घुसपैठियों को बेदखल करेंगे और उनके चंगुल से जमीन का एक-एक इंच वापस लेंगे।

सरमा का गोगोई को चैलेंज

पाकिस्तान और लंदन में कितनी संपत्ति है बताएं? हलफनामे में भी छिपाया

गुवाहाटी। भाजपा नेता और राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनसे पाकिस्तान और लंदन में कथित संपत्तियों का खुलासा करने की मांग की है। घोषणा पत्र लॉन्चिंग के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए हिमंत ने आरोप लगाया कि गोगोई के पास पाकिस्तान और लंदन में संपत्ति है लेकिन उन्होंने इसका विवरण चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामे में नहीं दिया है।

केरल में राहुल बोले

सीपीएम अब वामपंथी नहीं, अडाणी का नाम लेकर भाजपा पर खूब बरसे

कन्नूर। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। राहुल केरल के कन्नूर में रैली संबोधित कर कहा कि यह लड़ाई सीपीएम की विचारधारा, यूडीएफ की विचारधारा और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा की बीच है। हम देख रहे हैं कि भाजपा और वाम मोर्चा के बीच गठबंधन हो रहा है। किसी वामपंथी दल का किसी अति दक्षिणपंथी दल के साथ गठबंधन करना काफी आश्चर्यजनक होता। उन्होंने कहा कि जब हिंदू धर्म के तथाकथित रक्षक (प्रधानमंत्री) केरल आते हैं, तो सबरीमाला के बारे में कुछ नहीं कहते।

सीएम विजयन ने किया पलटवार

राहुल बताएं सोना चोर आपके घर तक कैसे पहुंचा?

केरल की सियासत में सबरीमाला स्वर्ण हानि मामला एक बार फिर गरमा गया है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा पलटवार करते हुए सवाल उठाया कि इस मामले का मुख्य आरोपी उनके घर तक कैसे पहुंचा। विजयन ने कहा कि सबरीमाला स्वर्ण हानि मामले में सवाल उठाने से पहले उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए मुख्य आरोपी उनके परिवार के आवास तक कैसे पहुंचा?

बंगाल में फर्जी वोटरों से लोकतंत्र पर खतरा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले एक बार फिर सीएम ममता बेनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की कोशिश की जा रही है।

बंगाल में भाजपा-टीएमसी

फॉर्म 6 जमा करने को लेकर दोनों पक्ष आए आमने-सामने

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी ने कल रात आरोप लगाया कि भाजपा अवैध तारीखें से फॉर्म 6 जमा कर रहे हैं। भाजपा ने चुनाव आयोग पर नजर रखने के लिए निर्देश भी दिया है। टीएमसी समर्थित बीएलओ ने आरोप लगाया एक आदमी मेदिनीपुर से फॉर्म 6 लेकर आए थे। उन्हें पकड़ा गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि वो कोई पार्टी का समर्थक नहीं था। इसके बाद दोनों पक्ष चुनाव आयोग के दफ्तर के सामने धरने पर बैठ गए।

खबर संक्षेप

देहरादून में रिटायर्ड ब्रिगेडियर की हत्या

देहरादून। देहरादून के राजपुर इलाके से मंगलवार को एक चौंकाने वाली खबर है। यहां एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा कि 2वाहनों में यात्रा कर रहे लोगों के बीच हुई बहस के दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें एक गोली ब्रिगेडियर को लग गई और उनकी मौत हो गई। पुलिस ने इलाके को घेर लिया है।

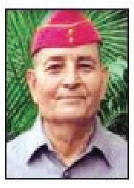

आईपीएल से जुड़े ब्रिटिश इंजीनियर की मौत

मुंबई। यहां आईपीएल 2026 के दौरान एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक 76 वर्षीय ब्रिटिश ब्रॉडकास्ट इंजीनियर, जो लीग के प्रसारण कार्य से जुड़े हुए थे, होटल के कमरे में मृत पाए गए। मृतक की पहचान जान विलियम लैंगफोर्ड के रूप में हुई है, जो बीसीसीआई के साथ काम कर रहे थे। सोमवार सुबह कमरे में बेहोश पड़े थे।

मुजफ्फरनगर में घर में मिले 4 शव

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सरवट इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक ही परिवार के 4 सदस्यों के शव घर में मिले। एक कमरे में पत्नी और 2 बच्चों के शव थे, तो वहीं पति का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। सरवट निवासी इरशाद पेंटर का काम करता था। मंगलवार सुबह गेट बंद मिला था।

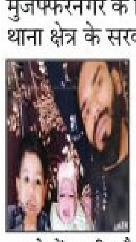

मलयालम डायरेक्टर रंजीत गिरफ्तार

चेन्नई। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर डायरेक्टर रंजीत को यौन शोषण मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह मामला एक्ट्रेस की शिकायत के बाद दर्ज हुआ, जिसके बाद कार्रवाई हुई। उन्हें एक महिला एक्ट्रेस की शिकायत के आधार पर हिरासत में लिया गया, जिसमें आरोप था रंजीत ने फिल्म सेट पर उनके साथ यौन शोषण का प्रयास किया।

आज से बदल जाएंगे कई अधिनियम, आर्थिक मोर्चे पर होंगे कई बदलाव

पुराना आयकर खत्म व नया अधिनियम होगा लागू, वेतन, बचत व रसोई गैस के खर्चे बढ़ेंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पर दिखेगा इसका असर, पश्चिम एशिया के तनाव से गैस, दवाएं, कारें महंगी होंगी

भारत में 1 अप्रैल से आर्थिक मोर्चे पर एक बड़ा बदलाव हो रहा है। 6दशक पुराने आयकर कानून की जगह 'आयकर अधिनियम, 2025' अमल में आने वाला है। पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को 'आयकर अधिनियम 2025' से बदल दिया गया है।

अब 'असेसमेंट ईयर' और 'प्रीवियस ईयर' का झंझट खत्म कर इसे सिर्फ 'टैक्स ईयर 2026-27' कहा जाएगा। जीएसटी 2.0 के तहत घोषित एलानों के लागू होने के बाद अब देश का वित्तीय ढांचा पूरी तरह से बदलने की ओर बढ़ रहा है। इन बदलावों का सीधा असर आम आदमी के वेतन, बचत, रसोई गैस और रोजमर्रा के खर्चों पर पड़ेगा यह तय है। कर निर्धारण वर्ष 2026-27 से सरकार ने 12 लाख तक की आय को करमुक्त करने का ऐलान कर रखा है। दूसरी ओर पश्चिम एशिया के तनाव और नए विनियामक नियमों के कारण एलपीजी, दवाएं और कारें महंगी हो रही हैं।

'जीएसटी 2.0' का असर

- **नई जीएसटी व्यवस्था में टैक्स** स्लैब को 5, 18 और 40 फीसदी तक समेट दिया गया है।
- **राहत:** स्वास्थ्य और जीवन बीमा, 33 जीवन रक्षक दवाएं और अनपैक्ड डेयरी उत्पादों को टैक्स-फ्री कर दिया गया है। छोटे कार, एसी, और टीवी अब 28 से घटकर 18 फीसदी स्लैब में आ गए हैं।
- **महंगा:** तंबाकू, लग्जरी वाहन, बड़ी एसयूवी और ऑनलाइन गेमिंग पर अब सबसे अधिक 40फीसदी जीएसटी लगेगा।
- **एलपीजी सिलेंडर:** पश्चिम एशिया (विशेषकर ईरान-इस्राइल) तनाव के कारण दिल्ली में घरेलू गैस की कीमत 853 से बढ़कर 913 हो गई है। वहीं कमर्शियल सिलेंडर 115 महंगा होकर 1,883 रुपए पर पहुंच गया है, जिससे बाहर खाना-पीना महंगा होगा।
- **दवाएं:** फार्मा कंपनियों की बढ़ती लागत के कारण एनपीपीए ने 900 से अधिक आवश्यक दवाओं (जैसे पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स) की कीमतों में 1.74 फीसदी तक की वृद्धि को मंजूरी दी है।
- **कारों की कीमत में उछाल:** आगामी 'बीएस-7' (बीएस-7) उत्सर्जन मानकों की तैयारी और बढ़ती लागत के कारण टाटा मोटर्स, होंडा (25,000-65,000 रुपऐ तक) और मर्सिडीज जैसी कंपनियों ने 1 अप्रैल से गाड़ियों के दाम बढ़ा दिए हैं।

ब्रेड-बिस्किट से लेकर जूते-चप्पल तक होंगे महंगे

देशभर में आम लोगों की जेब पर बड़ा असर पड़ने वाला है। रोजमर्रा की कई जरूरी चीजों की कीमतों में 20–25 फीसदी तक बढ़ोत्तरी हो सकती है। इसमें ब्रेड, बिस्किट, जूते-चप्पल, प्लास्टिक उत्पाद, साबुन-सर्फ जैसी चीजें शामिल हैं। इस महंगाई की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और तनाव से पैदा हुई वैश्विक अस्थिरता बताई जा रही है। पेट्रोकेमिकल उत्पाद महंगे हो गए हैं।

बैंकिंग, पेंशन और बीमा के नए नियम

- **एटीएम और बैंक खाते:** एचडीएफसी बैंक अब यूपीआई आधारित कार्डलेस निकासी को भी 5 मुफ्त ट्रांजेक्शन में गिनेगा। लिमिट पार करने पर 23 चार्ज लगेगा। न्यूनतम बैलेंस न रखने पर बैंक अब मनमाना जुर्माना नहीं लगा सकेंगे, बल्कि यह शॉर्टफॉल (कमी) के अनुपात में होगा।
- **क्रेडिट कार्ड और पैन:** नए पैन कार्ड के लिए अब सिर्फ आधार काफी नहीं होगा, 10वीं का सर्टिफिकेट या जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा। सभी डिजिटल पेमेंट के लिए सिर्फ ओटीपी नहीं, बल्कि बायोमेट्रिक अनिवार्य कर दिए गए हैं।
- **एनपीएस निकासी:** रिटायरमेंट पर अब 60फीसदी के बजाय 80 फीसदी तक राशि एकमुश्त निकाली जा सकती है। 8 लाख रुपए या उससे कम का कॉर्पस होने पर 100फीसदी एकमुश्त निकासी संभव है।
- **हेल्थ इंश्योरेंस:** बीमा कंपनियों के लिए 'अधिस्थगन अवधि' (मोरेटोरियम अवधि) घटाकर पांच वर्ष कर दी गई है। 5 साल प्रीमियम भरने के बाद कंपनी किसी पुरानी बीमारी का हवाला देकर क्लेम खारिज नहीं कर सकेगी।

इन पर भी पड़ेगा प्रभाव

सेविंग, आय समेत टैक्स व्यवस्था बदल जाएगी

- **सेविंग और निवेश:** धारा 80सी और 80डी के तहत टैक्स छूट पाने के लिए पीपीएफ, ईएलएसएस, और जीवन बीमा में निवेश 31 मार्च से पहले कर लें, अन्यथा इसका लाभ चालू वित्त वर्ष में नहीं मिलेगा।
- **खातों को सक्रिय रखना:** पीपीएफ, एनपीएस और सुकन्या समृद्धि योजना को निष्क्रिय होने और पेनल्टी से बचाने के लिए न्यूनतम अनिवार्य राशि जमा करना आवश्यक है।
- **अपडेटेड रिटर्न:** वित्तीय वर्ष 2020-21 (आकलन वर्ष 2021-22) के लिए अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की आखिरी समय-सीमा 31 मार्च है।
- **विदेशी आय वालों के लिए:** एनआरआई को विदेशी कर क्रेडिट का दावा करने के लिए 'फॉर्म 67' इसी दिन तक जमा करना होगा, अन्यथा दोहरे कराधान का सामना करना पड़ सकता है।
- **नई टैक्स व्यवस्था:** 12 लाख रुपए तक की शुद्ध वार्षिक आय वालों की टैक्स देनदारी शून्य कर दी गई है। इसके साथ ही वेतनभोगियों के लिए 75,000 रुपए का स्टैंडर्ड डिडक्शन जारी रहेगा।
- **पुरानी व्यवस्था में भारी छूट:** बच्चों की शिक्षा भत्ता 100 र से बढ़ाकर 3,000 रुपए प्रति माह और हॉस्टल भत्ता 300 से बढ़ाकर 9,000 रुपए कर दिया गया है। पुणे, बेंगलूरू, हैदराबाद और अहमदाबाद को भी एचआरए के लिए टियर-1 (50फीसदी छूट) में शामिल कर लिया गया है।
- **निवेश पर टैक्स:** अब सेकेंडरी मार्केट से खरीदे गए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर मैच्योरिटी के समय कैपिटल गेन टैक्स लगेगा। फ्यूचर्स और ऑप्शंस ट्रेडिंग पर एसटीटी बढ़ा दिया गया है, और कंपनियों के शेयर बायबैक पर शेयरधारकों को टैक्स देना होगा।
- **विदेश यात्रा हुई सस्ती:** ओवरसीज टूर पैकेज पर टीसीएस दर को 5और 20 फीसदी की दोहरी दर से घटाकर सीधे 2फीसदी कर दिया गया है।

नक्सलवाद पर बोले रिजिजू

राहुल व कई कांग्रेसियों का नक्सलियों से संबंध

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश में नक्सलवाद के मुद्दे पर सियासत गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और उसके वरिष्ठ नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के कुछ नेताओं के वामपंथी उग्रवादियों और माओवादियों से संबंध रहे हैं। उनके इस बयान से राजनीतिक माहौल गरमा गया है और आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। रिजिजू ने कहा कि राहुल वामपंथी उग्रवादियों को जानते हैं और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने ऐसे समूहों से संपर्क भी बनाए रखा था। उन्होंने यह भी कहा कि यह विडंबना है कि एक तरफ कांग्रेस सार्वजनिक रूप से उग्रवाद के खिलाफ बात करती है, वहीं दूसरी तरफ उसके कुछ नेताओं पर ऐसे आरोप लग रहे हैं।

सलाहकार परिषद में थे कई सदस्य

रिजिजू ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के समय कुछ लोग वामपंथी उग्रवादी विचारधारा से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन लोगों को जानते हैं। हालांकि उन्होंने कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया, लेकिन उनके बयान ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है।

इसकी जांच होनी चाहिए

रिजिजू ने दावा किया कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने माओवादियों से मुलाकात भी की थी और उनसे संपर्क बनाए रखा था। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि यह देश की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनके अनुसार यह स्थिति चिंताजनक है और इसकी जांच होनी चाहिए। रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को अपने नेतृत्व से सवाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की नक्सलियों द्वारा हत्या की गई, तब पार्टी नेतृत्व की क्या भूमिका रही। उन्होंने कांग्रेस पर नकारात्मक राजनीति करने का आरोप भी लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित और स्थिर है।

सीएम सुक्खू का यू-टर्न

हिमाचल में विरोध के बाद एंट्री टैक्स में इजाफे का फैसला पलटा

एजेंसी ⏭ शिमला

हिमाचल प्रदेश में एंट्री टैक्स में भारी इजाफा करने के फैसले से मचे बवाल के बाद आख़िरकार कांग्रेस सरकार को अपना फैसला वापस लेना पड़ा है। मंगलवार को विधानसभा सत्र के दौरान सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। अब हिमाचल की सीमाओं पर प्रवेश के लिए पुराना शुल्क ही लागू होगा।

सुक्खू ने स्पष्ट किया कि बढ़ी हुई दरों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। अब प्रदेश में प्रवेश करने वाले वाहनों को उसी दर पर टैक्स देना होगा जो पहले प्रभावी थी। निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि बॉर्डर चेक पोस्ट पर पुराने सॉफ्टवेयर और पुरानी दरों के हिसाब से ही पर्चियां काटी जाएं। सरकार ने 5 सीटर और 6 से 12 सीटर वाहनों पर एंट्री टैक्स की बढ़ोतरी का निर्णय वापस लिया है। पहले दोनों को क्लप करके 130 रुपए किया था। अब5 सीटर वाहनों से 70 रुपए और 6 से 12 सीटर वाहनों से 110 ही एंट्री टैक्स लगेगा।

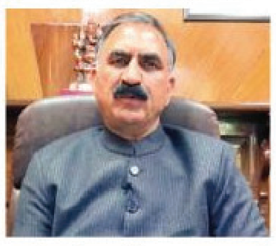

केंद्र सरकार कर रही आईटी नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी

निजी यूजर्स व इनफ्लुएंसर्स पर भी लागू होंगे 'टेकडाउन नोटिस'

⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और यूजर्स दोनों के लिए सख्त नियमों की दिशा में आगे बढ़ रही है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियम, 2021 में प्रस्तावित संशोधनों के तहत अब ऑनलाइन पोस्ट करने वाले व्यक्तिगत यूजर्स और इन्फ्लुएंसर्स भी कंटेंट हटाने (टेकडाउन), संशोधन या आपातकालीन ब्लॉकिंग जैसे प्रावधानों के दायरे में आ सकते हैं। सरकार ने सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया है और 14 अप्रैल तक इस पर सुझाव मांगे गए हैं। इनका मकसद बढ़ती आपत्तिजनक, भ्रामक और डीपफेक जैसी सामग्री पर नियंत्रण मजबूत करना बताया जा रहा है।

गाइडलाइंस अब बाध्यकारी

आईटी मंत्रालय द्वारा जारी एडवाइजरी, दिशा-निर्देश और कोड ऑफ प्रैक्टिस को अब प्लेटफॉर्म्स के लिए अनिवार्य अनुपालन का हिस्सा बनाया जा रहा है। अब तक इन्हें महज सुझाव माना जाता था, लेकिन नए प्रावधानों में इन्हें न मानने पर प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई संभव होगी। यह बदलाव आईटी एक्ट की धारा 79 (सेफ हार्बर प्रोटेक्शन) से जुड़ा है। यदि कोई प्लेटफॉर्म इन निर्देशों का पालन नहीं करता, तो उसे कानूनी सुरक्षा से वंचित किया जा सकता है।

'डीपफेक' और आपत्तिजनक कंटेंट पर फोकस

सरकारी अधिकारियों के अनुसार हाल के समय में सोशल मीडिया पर डीपफेक और एआई-जनित भ्रामक कंटेंट तेजी से बढ़ा है। इसी को देखते हुए प्लेटफॉर्म्स ने भी टेकडाउन कार्रवाई तेज की है, लेकिन सरकार इसे और सख्त बनाना चाहती है। एक अधिकारी के मुताबिक दुनिया भर में हुए बदलावों के चलते अब बड़ी मात्रा में डीपफेक कंटेंट सामने आ रहा है, जिसे हटाने के लिए प्लेटफॉर्म्स को और सक्रिय होना होगा।

सेक्शन 69ए के तहत सख्ती

प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, एक्स (पूर्व ट्विटर), फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट हटाने की कार्रवाई अब आईटी एक्ट की धारा 69ए के तहत और अधिक प्रभावी तरीके से की जाएगी। अब तक ये प्रावधान मुख्य रूप से पब्लिशर्स पर लागू होते थे, लेकिन नए नियमों में व्यक्तिगत यूजर्स की पोस्ट भी उसी फ्रेमवर्क में लाई जा सकती हैं।

चिंता के मुद्दे भी उठे

तकनीकी नीति विशेषज्ञों ने इन संशोधनों को लेकर कुछ चिंताएं भी जताई हैं। उनका कहना है कि इन नियमों में पर्याप्त न्यायिक निगरानी का अभाव है और इससे 'त्वरित प्रवर्तन' को बढ़ावा मिल सकता है, जो संतुलित प्रशासन के लिए चुनौती बन सकता है। कुल मिलाकर, प्रस्तावित आईटी नियमों के ये संशोधन सोशल मीडिया पर जवाबदेही बढ़ाने और गलत सूचना पर रोक लगाने की दिशा में बड़ा कदम माने जा रहे हैं। हालांकि, इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सरकारी नियंत्रण के बीच संतुलन को लेकर बहस भी तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

सभी समाजों के सहयोग से ही विकसित छत्तीसगढ़ का सपना होगा साकार-मुख्यमंत्री

रायगढ़ में उत्कल दिवस एवं वार्षिकोत्सव स्नेह सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

छ.ग. फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज रायगढ़ के बाबा प्रियदर्शी राम ऑडिटोरियम, पंजरी प्लांट में उत्कल सांस्कृतिक सेवा समिति द्वारा आयोजित 'उत्कल दिवस एवं वार्षिकोत्सव स्नेह सम्मेलन' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्यमंत्री साय द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं 'वंदे उत्कल जननी' के मधुर गायन के साथ हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को आत्मीयतापूर्वक संबोधित करते हुए कहा कि वे यहां अतिथि के रूप में नहीं, बल्कि अपने परिवार के बीच आए हैं। उन्होंने कहा कि रायगढ़ की जनता ने उन्हें 20 वर्षों तक सांसद के रूप में अपना भरपूर आशीर्वाद दिया है और वही स्नेह एवं अपनापन उन्हें आज भी प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री साय ने ओडिशा और छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों राज्यों के बीच 'रोटी-बेटी' का अटूट रिश्ता है। उन्होंने कहा कि

जशपुर के कुनकुरी से लेकर छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्रों तक बड़ी संख्या में लोग उड़िया भाषा बोलते हैं। देवभोग-गरियाबंद क्षेत्र में आज भी महाप्रसाद के रूप में भात मिलता है और छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में रथ यात्रा का आयोजन होता है। मुख्यमंत्री साय ने समाज की पत्रिका 'सुविधा' का विमोचन किया, जिसमें समाज के रीति-रिवाज, उपलब्धियां एवं संपर्क विवरण संकलित किए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जगन्नाथ रथ यात्रा के आयोजन हेतु 5 लाख रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी गई है, जिनमें से 8 लाख आवास रिकॉर्ड समय में पूर्ण किए जा चुके हैं। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है तथा लगभग 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है, जिससे प्रदेश खुशहाली की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा श्रीरामलला दर्शन योजना प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत अब तक लगभग 42 हजार श्रद्धालु अयोध्या पहुंचकर भगवान रामलला के दर्शन कर चुके हैं। इस योजना के माध्यम से आम नागरिकों को सुगम एवं व्यवस्थित रूप से तीर्थ दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को भी पुन: प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन हेतु श्रद्धालुओं को सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण कराने वालों के विरुद्ध कठोर कानून पारित किया गया है, जिसमें कड़ी सजा एवं जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि इससे अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एवं जवानों के अदम्य साहस से नक्सलवाद के प्रभाव को समाप्त करने में सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि अब 'नियद नेल्लानार' के तहत बस्तर में सड़कों, बिजली, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचाई जा रही हैं, जिससे क्षेत्र में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में विभिन्न विभागों में 20 से 25 हजार भर्तियां की गई हैं। चयन मंडल का गठन कर पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिससे युवाओं को बिना किसी भेदभाव के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीएससी गड़बड़ी की उच्च स्तरीय जांच कराई गई है तथा ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्रशासन में पारदर्शिता लाते हुए भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने के लिए सभी समाजों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य वन एवं खनिज संपदा से समृद्ध है और वन उत्पादों के वैल्यू एडिशन के माध्यम से स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत बकाया बिजली बिलों के भुगतान हेतु आसान किस्तों का विकल्प उपलब्ध कराया गया है तथा सरचार्ज में राहत या छूट दी जा रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्कल समाज की 8 प्रतिभाओं को उनकी विशेष उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर झारसुगुड़ा विधायक टंकाधर त्रिपाठी, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्काउट-गाइड दल ने सीखा आपदा प्रबंधन व साहसिक नेतृत्व के गुर

छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में राष्ट्रीय साहसिक संस्थान पंचमढ़ी में 25 से 29 मार्च 2026 तक आयोजित राज्य स्तरीय पर्वतारोहण, व्यक्तित्व विकास एवं आपदा प्रबंधन शिविर में भाग लेकर सूरजपुर जिले का स्काउट-गाइड दल सकुशल वापस लौट आया। दल की सुरक्षित वापसी पर अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल देखने को मिला तथा प्रतिभागियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया।

शिविर का आयोजन राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस शिविर में सूरजपुर जिले से जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त स्काउट अजय मिश्रा के मार्गदर्शन में 38 सदस्यीय दल ने सहभागिता की। दल में 15 स्काउट, 19 गाइड तथा प्रभारी के रूप में स्काउटर चंद्रिका सिंह, योगेश साहू एवं गाइडर कंचनलता टोप्पो, दीपा सिंह शामिल रहे। इसके अतिरिक्त राज्य काउंसलर रामदत्त पटेल, राज्य सहायक आयुक्त पीताम्बर मरावी, जिला सचिव उमेश गुर्जर, जिला आयुक्त गोवर्धन सिंह, कौशल्या मलिक, डीओसी विनीता भगत एवं बेलभद्र देवांगन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनके सहयोग से दल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न साहसिक एवं जीवनोपयोगी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रथम दिवस राजेंद्र गिरि के भ्रमण के दौरान पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं प्रकृति के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। द्वितीय दिवस बी फॉल की रोमांचक ट्रेकिंग कराई गई, जहाँ कठिन एवं फिसलन भरे पहाड़ी रास्तों से गुजरते हुए बच्चों ने टीम वर्क, धैर्य एवं साहस का परिचय दिया। साथ ही प्रतिभागियों को रायफल शूटिंग एवं आर्चरी का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। तृतीय दिवस आपदा प्रबंधन की पूर्व तैयारी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें भूकंप, बाढ़, आगजनी जैसी आपदाओं में स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा के उपाय सिखाए गए। इस दौरान स्काई साइक्लिंग, जिपलाइन, रोप ब्रिज, वैली क्रॉसिंग, मंकी ब्रिज, सोलर ब्रिज, रिवर क्रॉसिंग, टनल वॉक, कमांडो ब्रिज एवं चिमनी क्लाइम्बिंग जैसी गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों में साहस, संतुलन, आत्मविश्वास एवं त्वरित निर्णय क्षमता का विकास किया गया।

ढोढाकेसरा से डांडकेसरा मार्ग को मिली स्वीकृति

लखनपुर। जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के सुदूर वनांचल क्षेत्र में विधायक प्रबोध मिंज के द्वारा पूर्व में किए गए वादे को पूरा करते हुए लगातार विकास कार्य किया जा रहे हैं। जब से क्षेत्र के विधायक के रूप में अपना दायित्व संभाला तबसे पूरे विधानसभा के साथ-साथ भाजपा मण्डल कुन्नी का यह वनांचल क्षेत्र विकास के एक नए आयाम को छू रहा है, क्षेत्र की जनता जनार्दन से पूर्व में किए घोषणा को पूरा करते हुए आदरणीय विधायक के द्वारा बहुप्रतीक्षित मांग ढ़ोढाकेसोरा से डांडकेसरा तक 7.10 कि.मी. तक पक्की सड़क निर्माण कुल राशी 1445.64(चौदह करोड़ पैंतालीस लाख चौंसठ हजार रुपयों) की स्वीकृति दिलाई है इस रोड की स्वीकृति मिलने पर पूरा क्षेत्र खुशियां मना रहा है गौरवान्वित हैं अपने विधायक पर की इस अल्प समय में ही क्षेत्र के विकास के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया, प्राय: सभी प्रमुख सड़कों की स्वीकृति आपने दिलादी और सड़कों के कार्य भी प्रारंभ है। जो क्षेत्र कभी पहुंच विहीन कहा जाता था वो आज मुख्य मार्ग से जुड़कर अपनी समस्याओं से दूर हो रहा है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 202602020700180

ईश्तहार

आवेदक राजकुमार साहू आ0 स्व0 सुनेश्वर साहू, निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित खसरा नंबर 250/2, 252/1, 805/3 रकबा क्रमश: 0.201, 0.103, 0.399 हे0 भूमि के राजस्व रिकार्ड में आवेदक का नाम त्रुटिवश रामकुमार साहू दर्ज हो गया है. जबकि आवेदक का वास्तविक नाम राजकुमार साहू है। आवेदक के द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है. जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनाक 17/04/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/02/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अंबिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0-/अ-20(1)/2025- 26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रकाश कुमार सिन्हा आ0 कमल प्रसाद सिन्हा, निवासी नीलकमल गोधनपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला डी0सी0 रोड, शीट नंबर-04 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक-1893/83, 1893/4777/4 रकबा 0.023/4, 0.011/2 भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई के दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 10/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक: 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स, प्रतिभा खोज और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल-मंत्री

छ.ग. फ्रंटलाइन

जगदलपुर। केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने मंगलवार की शाम धरमपुरा क्रीडा परिसर में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में आयोजित प्रतियोगिता स्थल का दौरा किया। उन्होंने इस आयोजन को आदिवासी सशक्तिकरण, जमीनी स्तर पर प्रतिभा खोज और खेलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के इस प्रथम संस्करण में लगभग 3,800 प्रतिभागी जिसमें खिलाड़ी, कोच और अधिकारी शामिल हैं भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में 9 खेल विधाएं शामिल हैं, जिनमें 7 पदक खेल और 2 प्रदर्शन खेल हैं, जबकि कुल 106 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबले हो रहे हैं। प्रतियोगिता का शुभंकर 'मोरवीर' आदिवासी समाज के साहस, गर्व और वीरता का प्रतीक है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री खडसे ने

कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि सशक्तिकरण, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता का सशक्त साधन है।

उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स एक सामाजिक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य देश की खेल विरासत को पुनर्जीवित करना, आदिवासी युवाओं को अवसर देना और हर गांव से चैंपियन तैयार करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत वर्ष 2036 ओलंपिक तक शीर्ष-10 खेल राष्ट्र बनने और 'विकसित भारत 2047' तक शीर्ष-5 में शामिल होने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। इस दिशा में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जैसी पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। केंद्रीय राज्य मंत्री खडसे ने बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों का जिक्र करते हुए कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में पहले से ही खेलों की मजबूत परंपरा मौजूद है, जिसे यह प्रतियोगिता एक संगठित मंच प्रदान कर रही है। महिलाओं की भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने 'अस्मिता लीग' की सफलता का उल्लेख किया, जिसके अंतर्गत 124 लोगों में लगभग 14,000 बालिकाओं ने फुटबॉल और हॉकी जैसे खेलों में हिस्सा लिया है, जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की भागीदारी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के कोच सभी प्रतियोगिता स्थलों पर तैनात हैं, जो उभरती प्रतिभाओं की पहचान कर रहे हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सीधे खेलो इंडिया कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा, जिससे जमीनी स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मार्ग आसान होगा। भारत की प्राचीन खेल परंपरा का उल्लेख करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि आदिवासी समुदाय सदियों से तीरंदाजी जैसे पारंपरिक खेलों में अग्रणी रहा है और यह आयोजन उनकी इस समृद्ध विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने का माध्यम भी है। जगदलपुर प्रवास के दौरान उनके साथ महापौर संजय पांडेय, डीडीजी खेलो इंडिया मयंक श्रीवास्तव, कमिश्नर डोमन सिंह, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, कलेक्टर आकाश छिकारा, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों से संवाद कर प्रतिभा पहचान की प्रक्रिया की समीक्षा की। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री ने प्रतिस्पर्धा का अवलोकन करते हुए, विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण भी किया। वहीं उन्होंने धरमपुरा क्रीडा परिसर में खिलाड़ियों के लिए आवास और अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। साथ ही इस दौरान जिला प्रशासन के द्वारा लगाई गई महिला समूह के उत्पादों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया ।

पूर्व पुलिसकर्मी ने की पत्नी और बेटी की हत्या

रायपुर। एक सनसनीखेज मामला राजधानी में सामने आया है, जहां एक पूर्व पुलिसकर्मी ने अपनी पत्नी और बेटी की हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। यह वारदात विधानसभा थाना क्षेत्र के सेमरिया गांव की है। आरोपी की पहचान गुलाब साहू के रूप में हुई है, जो पहले पुलिस विभाग में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी ने घरेलू विवाद के बाद अपनी पत्नी लता साहू और सौतेली बेटी चित्रा साहू पर टंगिया से हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग दहशत में आ गए और तुरंत पुलिस को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही विधानसभा थाना पुलिस, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी गुलाब साहू को गिरफ्तार कर लिया है।

4-5 अप्रैल को अग्रवाल समाज का भव्य परिचय सम्मेलन, देशभर से जुटेंगे प्रतिभागी

छ.ग. फ्रंटलाइन

रायपुर। दो दिवसीय विशाल परिचय सम्मेलन का आयोजन अग्रवाल सभा रायपुर द्वारा 4 और 5 अप्रैल को छेरीखेड़ी स्थित अग्रसेन धाम में किया जाएगा। करीब 15 वर्षों बाद आयोजित हो रहे इस बड़े सामाजिक आयोजन को लेकर समाज में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

17 राज्यों से 500 से अधिक लोगों ने कराया पंजीयन- आयोजन समिति के अनुसार अब तक देश के 17 राज्यों से 500 से अधिक लोगों ने पंजीयन कराया है। खास बात यह है कि इस सम्मेलन में 5 विदेशी युवतियों की भी भागीदारी रहेगी, जिससे कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप भी मिलेगा। अब ऑनलाइन पंजीयन बंद कर दिया गया है और इच्छुक प्रतिभागी स्थल पर ही रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे।

तीन प्रमुख आयोजन होंगे- सम्मेलन के दौरान तीन मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, इनमे परिचय सम्मेलन, 'अग्र मंथन' (वैचारिक विमर्श) और 'अग्र धरोहर' का विमोचन शामिल होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 4 अप्रैल को सुबह 11 बजे होगा।

कई प्रमुख जनप्रतिनिधि होंगे शामिल- उद्घाटन अवसर पर प्रदेश के कई प्रमुख जनप्रतिनिधि शामिल होंगे, जिनमें मंत्री राजेश अग्रवाल, पूर्व मंत्री एवं विधायक अमर अग्रवाल, विधायक सम्पत अग्रवाल, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल और जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

जांच समिति ने उठाए एबीवीवी में फर्नीचर खरीदी पर गंभीर सवाल

छ.ग. फ्रंटलाइन

बिलासपुर। एक बार फिर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय विवादों में घिर गया है। विश्वविद्यालय में फर्नीचर खरीदी से जुड़ा करीब 92.55 लाख रुपये का मामला अब बड़े घोटाले के रूप में सामने आया है। तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट में खरीदी प्रक्रिया को न केवल संदेहास्पद बताया गया है, बल्कि इसमें कई स्तरों पर गंभीर अनियमितताओं और नियमों की अनदेखी का खुलासा भी हुआ है।

बाजार से तीन गुना कीमत पर खरीदी- जांच समिति ने पाया कि विश्वविद्यालय द्वारा खरीदी गई फर्नीचर सामग्री बाजार मूल्य से दो से तीन गुना अधिक कीमत पर ली गई। यह खरीदी 15 अप्रैल 2025 को जेम पोर्टल के माध्यम से की गई थी, जिसकी कुल लागत 92,55,116 रुपये बताई गई है। समिति ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इतने बड़े वित्तीय लेन-देन में प्रतिस्पर्धी निविदा (बिडिंग) प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

खरीदी नियमों का उल्लंघन- रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि जेम पोर्टल पर एल-1 पद्धति से सीधे खरीदी की गई, जबकि इस स्तर की खरीद के लिए खुले टेंडर आमंत्रित किए जाना आवश्यक था। इससे पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा दोनों प्रभावित हुईं। जांच समिति ने इसे नियमों का उल्लंघन माना है।

समितियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल- क्रय समिति और वित्त समिति की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं। समिति ने पाया कि इन दोनों समितियों ने केवल सामग्री की मात्रा की अनुशंसा की, जबकि उन्हें मूल्य का आकलन करते हुए प्रस्ताव देना चाहिए था। यह लापरवाही या जानबूझकर की गई अनदेखी मानी जा रही है।

क्रय समिति के सदस्य- डॉ. ऐलेक्जेंडर कुजूर वित्त अधिकारी, डॉ. एच.एस. होता-विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर साईंस एवं एप्लीकेशन, डॉ. डीएसवीजी के कलाधर विभागाध्यक्ष माइकोबायोलॉजी एण्ड बायोइन्फार्मेटिक्स डॉ. पूजा पाण्डेय विभागाध्यक्ष कॉमर्स एण्ड फाइनेंशियल, स्टडीज, यशवंत पटेल विभागाध्यक्ष (फूड प्रोसेसिंग एण्ड टेक्नोलॉजी), सौमित्र तिवारी (प्रभारी भण्डार शाखा) सदस्य के रूप में नामित हैं।

कार्यपरिषद की अनुमति नहीं ली गई- विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार इतनी बड़ी राशि की खरीदी के लिए कार्यपरिषद की अनुमति अनिवार्य होती है। लेकिन जांच में यह तथ्य सामने आया कि इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को नजरअंदाज किया गया। केवल वित्त समिति और क्रय समिति की अनुशंसा के आधार पर खरीदी कर ली गई, जो नियमों के विपरीत है।

कुछ चुनिंदा फर्मों को मिला ठेका- जांच में यह भी उजागर हुआ कि फर्नीचर की पूरी खरीदी जांजगीर जिले के बनारी क्षेत्र की कुछ चुनिंदा फर्मों से की गई। इनमें सागर इंडस्ट्रीज, ओशन इंटरप्राइजेस और सिंघानिया ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज शामिल हैं। एक ही क्षेत्र की फर्मों को ठेका दिए जाने पर भी समिति ने संदेह जताया है।

खरीदा गया सामान उपयोग में नहीं लाया गया- मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि लाखों रुपये खर्च कर खरीदा गया फर्नीचर अब तक उपयोग में नहीं लाया गया है। जांच में सामने आया कि सामान को विश्वविद्यालय परिसर में डंप कर दिया गया है और उसका कोई उपयोग नहीं हो रहा। इससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका और मजबूत हो गई है। मामले में पारदर्शिता का अभाव जांच रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि कुलपति और कुलसचिव के वित्तीय अधिकारों की सीमा से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। नियमों के अनुसार 20 हजार रुपये से अधिक की स्वीकृति के लिए स्पष्ट प्रक्रिया होती है,

जांच समिति के सदस्य- इस पूरे मामले की जांच उच्च शिक्षा संचालनालय के तीन वरिष्ठ अधिकारियों की समिति ने की, जिसमें डॉ. किशोर कुमार तिवारी (संयोजक), डॉ. गोवर्धन यदु (सदस्य) और महेश कुमार साहू (सदस्य) शामिल रहे।

शामिल अधिकारियों पर क्या होगी कार्रवाई- रिपोर्ट सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह मामला न केवल वित्तीय अनियमितताओं का संकेत देता है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा करता है। अब देखना होगा कि राज्य सरकार और उच्च शिक्षा विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं।

जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने रुकवाया बाल विवाह

बालिका को लाया गया सखी वन स्टॉप सेंटर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बाल विवाह मुक्त सूरजपुर व छत्तीसगढ़ बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह चुस्त है, कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में चाईल्ड लाईन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम पूरी तरह से सक्रिय है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी को पूर्व में जानकारी प्राप्त हुई थी कि एक 17 वर्षिय बालिका का विवाह भैयाथान के एक ग्राम में किया जा रहा है। बालिका का मण्डप 28 मार्च एवं विवाह 30 मार्च को होना है। सूचना प्राप्त होते ही जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम् बंसल को दी गई जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देश पर गांव में संयुक्त टीम गई जहां बालिका के परिजन उम्र हो जाने पर विवाह करने की सहमति दिये और विवाह रोकने का पंचनामा, कथन बालिका का स्कूल का दस्तावेज लिया गया। 30 मार्च को शाम फिर सूचना प्राप्त हुई कि बारात आ रही है और विवाह की पूरी तैयारी हो चुकी है विवाह सम्पन्न होने वाला है। मेहमान आ गये है, विवाह हेतु टेन्ट लगाया गया है और पूरी धूमधाम के साथ विवाह होने वाला है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री जायसवाल ने इस बात की सूचना जिला कार्यक्रम अधिकारी को दी जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देश पर शाम 7 बजे संयुक्त टीम पुलिस बल के साथ गांव पहुंची तो सूचना के अनुसार सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गई। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बारात की स्थिति जानने के लिए संबंधित थाने में फोन लगा कर बात की तो पता चला की वहां से बारात निकलने वाली है। गांव में सरपंच एवं सचिव सम्बन्धित पर्यवेक्षक को बुलाया गया। बालिका के परिजनों को बताया गया कि पूर्व में पंचनामा और आय दस्तावेज तैयार किया गया था विवाह नहीं करने को सभी सहमत थे तो क्यों किया जा रहा है। तो परिजनों ने कहा कि विवाह नहीं कर रहे, दावत दे रहे है। टीम द्वारा या तो विवाह पर अपराध पंजीबद्ध करने की बात कही या फिर बालिका को बाल कल्याण समिति में प्रस्तुत करने हेतु अपने साथ ले जाने की बात कही समझाया गया कि बालिका को सखी वन स्टॉप सेन्टर में रखा जायेगा जहां केवल महिलाएँ रहती है। बालिका के साथ और भी महिलाए जा सकती है। बहुत जद्दो जहद के बाद परिजन बालिका को भेजने को तैयार हुए। संयुक्त टीम के मौजुद महिला कर्मचारियों द्वारा रात्रि 9 बजे बालिका को लेकर बाल कल्याण समिति के आदेश से सखी वन स्टॉप सेन्टर में रखा गया है।

बाल विवाह के इस कार्यवाही में जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री जायसवाल, परामर्शदाता जेनेन्द्र दुबे, श्रीमती आरती राजवाड़े, जनार्दन यादव, दिनेश यादव, कुमारी रीता सिंह, पर्यवेक्षक श्रीमती शीला वर्मा, दीपक कुमार, सचिव आनंद सिंह एवं बसदेई पुलिस चौकी से प्रधान आरक्षक महेन्द्र, महिला प्रधान आरक्षक अलका टोप्पो, आरक्षक राकेश सिंह, रामकुमार, दिलीप साहू, आदित्य यादव, महिला आक्षक प्रफुल्ल मिंज, पूनम सिंह उपस्थित थे।

दुधमुहे पुत्र की हत्या करने वाली आरोपी माँ को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गोद में रो रहे दुधमुहे पुत्र को जमीन पर पटककर मौत की नींद सुलाने वाली हत्यारिन माँ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि जिला अस्पताल के सिक्युरिटी गार्ड चंदलाल के द्वारा पुलिस सहायता केन्द्र में 25 मार्च को उपस्थित होकर मृतक हंसराज पिता सूनसाय प्रजापति उम्र 4 माह ग्राम जयपुर के मृत्यु के संबंध में अस्पताली मेमो पेश करने पर शून्य में मर्ग कायमी कर शव का पीएम कराया गया। घटना जयपुर चौकी सलका उमेश्वरपुर का होने से मर्ग डायरी अग्रिम जांच हेतु वहां भेजी गई। मामले की सूचना पर एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने मर्ग की जांच गंभीरतापूर्वक करने के निर्देश दिए। चौकी सलका उमेश्वरपुर पुलिस ने जांच के दौरान गवाहों के कथनों, पीएम रिपोर्ट का अवलोकन किया गया जो जांच में पाया गया कि घटना दिवस 25 मार्च को सुबह बृन्दावती अपने घर से लगे जेठ के घर के सामने अपने 4 माह के पुत्र हंसराज को गोद में ली थी बच्चा रो रहा था, वही रोड के दूसरे तरफ उसका पति सुनसाय कोटवार के घर के सामने खड़ा होकर कोटवार के लड़के से बातचीत कर रहा था, सुनसाय वहीं से देखा कि पुत्र हंसराज के रोने पर आरोपिया अत्यधिक क्रोधित होकर उसे जमीन पर पटक दी फिर बच्चे को उठाकर सुनसाय के पास लाकर उसको गोद में दे दी। बच्चे को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भर्ती कराया जहां इलाज दौरान हंसराज की मृत्यु हो गई। पीएम रिपोर्ट में डॉक्टर के द्वारा मृतक बच्चे के सिर में गंभीर चोट लगने से मृत्यु होना लेख किए जाने, आरोपियां के द्वारा हंसराज के रोने पर जमीन पर पटकने के कारण सिर में गंभीर चोट लगने से मृत्यु होना पाए जाने पर धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान आरोपियां बृन्दावती 23 वर्ष को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने जुर्म स्वीकार किया। कार्यवाही में चौकी प्रभारी सलका उमेश्वरपुर संजय सिंह, आरक्षक राकेश सिंह, पंकज राजवाड़े, मुरारी साहू, महिला सैनिक गुंजा मनिया व प्रीति सक्रिय रहे।

सेना भर्ती हेतु ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 10 अप्रैल तक करें आवेदन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर द्वारा बताया गया है कि भारतीय सेना में भर्ती हेतु ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 10 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। पूर्व में यह तिथि 01 अप्रैल 2026 निर्धारित थी। ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया 13 फरवरी 2026 से प्रारंभ हुई थी, जिसमें अब अभ्यर्थी बढ़ी हुई तिथि तक आवेदन कर सकेंगे। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत अग्निवीर श्रेणी में अग्निवीर (जनरल ड्यूटी), तकनीकी, लिपिक/स्टोर कीपर, ट्रेडमैन (10वीं एवं 8वीं), अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) सहित स्थायी कैडर के अंतर्गत नर्सिंग सहायक, सिपाही फार्मा, हवलदार (सेना शिक्षा) एवं धर्म शिक्षक पदों पर पंजीकरण किया जा रहा है।

इच्छुक एवं पात्र महिला एवं पुरुष अभ्यर्थी निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) जून 2026 के प्रथम सप्ताह से आयोजित होने की संभावना है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय, नया रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2965212 एवं 0771-2965214 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है तथा चयन केवल योग्यता के आधार पर किया जाता है। अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार के दलाल या बिचौलियों से सावधान रहने की सलाह दी गई है।

12 वीं ओपन परीक्षा के अंग्रेजी पेपर में पांच नकलची धराये

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को कक्षा बारहवीं ओपन परीक्षा में अंग्रेजी विषय की परीक्षा के दौरान जिले के दो परीक्षा केन्द्रों में 05 नकल प्रकरण दर्ज किया गया।

बताया गया है कि परीक्षा जिले में 9 परीक्षा केन्द्रों में संचालित की जा रही है। बुधवार को कक्षा 12वीं की परीक्षा में दर्ज परीक्षार्थियों की संख्या-1043 में से कुल 952 परिक्षार्थी उपस्थित थे जबकि 91 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिले में विकासखण्ड स्तर पर गठित उड़नदस्ता दलों द्वारा परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान दो परीक्षा केन्द्रों में 05 नकल प्रकरण दर्ज किया गया है।

जिला अस्पताल में किया गया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला अस्पताल में बुधवार को 'रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवन रक्षक साबित होगा। इसी क्रम में "रक्तदान महादान' को सार्थक करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा ने अपने जन्म दिवस पर रक्तदान किया। इसके साथ-साथ जिले के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इस रक्तदान शिविर में जरूरतमंद हेतु रक्तदान किया। उक्त शिविर में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम, जिला आवासीय चिकित्सक डॉ. राजेश पैकरा, जिला कार्यक्रम समन्वयक क्षय उन्मूलन पिलेश्वर नवरंगे, जितेन्द्र दुबे, आकाश दास, योगेन्द्र साहू एवं अभिषेक ने स्वैच्छिक रक्तदान कर जरूरतमंदों हेतु रक्त उपलब्ध कराया है।

अपार आईडी में लाएं प्रगति, नही तो की जाएगी सख्त कार्रवाई : पाटले

ओड़गी में हुई संकुल प्राचार्य एवं सीएसी की समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ओड़गी विकासखंड में संकुल प्राचार्यों एवं समन्वयकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपार आईडी निर्माण, बायोमेट्रिक आधार अपडेशन एवं शैक्षिक गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर संकुलवार विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले ने किया।

बैठक में सीईओ श्री पाटले ने अपार आईडी निर्माण में अपेक्षित प्रगति न करने वाले संकुल समन्वयकों एवं संकुल प्राचार्यों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे अधिकारियों का वेतन रोका जाएगा। उन्होंने कहा कि अपार आईडी केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियाँ एवं पुरस्कारों का विवरण डिजिटल रूप से सुरक्षित रखा जाता है। उन्होंने दो टूक कहा कि प्रत्येक बच्चे का अपार आईडी निर्माण अनिवार्य है और इसमें उदासीनता बरतने वाले संस्था प्रमुखों एवं मॉनिटरिंग एजेंसियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा मनोज कुमार साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नीलेश सोनी, बीआरसी नरेंद्र दुबे, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी अभिषेक सिंह सहित समस्त संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक उपस्थित रहे।

जिपं सीईओ ने किया पीएम श्री महुली का औचक निरीक्षण

बैठक के उपरांत सीईओ श्री पाटले ने विकासखंड ओड़गी स्थित पीएम श्री प्राथमिक शाला महुली का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शैक्षिक गुणवत्ता एवं सैचुरेशन के 24 बिंदुओं की बारीकी से जाँच की तथा छात्रों से सीधे भाषा एवं गणित के प्रश्न पूछकर उनके वास्तविक स्तर का परीक्षण किया। कमज़ोर स्तर के चिन्हित छात्रों के लिए 30 अप्रैल तक विशेष रेमेडियल टीचिंग संचालित करने के निर्देश संबंधित शिक्षकों को दिए गए।

जिले को मिली नौ नई 108 एम्बुलेंस को मंत्री लक्ष्मी ने दिखाई हरी झंडी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बुधवार को 09 नए 108 एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह एम्बुलेंस जिले एवं विकासखंड स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए तैनात की गई हैं।

एडवांस एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट से लैस इन नवीन एम्बुलेंसों में एडवांस लाइफ सपोर्ट एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट दोनों की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। प्रत्येक एम्बुलेंस में बीपी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन सपोर्ट सहित प्राथमिक से लेकर आपातकालीन चिकित्सा की समस्त व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं, ताकि मरीज को घटनास्थल पर ही त्वरित उपचार मिल सके एवं उच्च संस्थाओं में समय पर संदर्भन हो सके। शासन ने 108 सेवा के लिए स्पष्ट समय सीमा निर्धारित की है। शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। इन नई एम्बुलेंसों के जुड़ने से जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में भी आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएँ और अधिक प्रभावी होंगी। इस अवसर पर पूर्व पाठ्यपुस्तक निगम अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, मुरली मनोहर सोनी, शशीकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल, रितेश गुप्ता, राजेश्वर तिवारी, देव गुप्ता, पवन साहू, नीरज गुप्ता सहित स्वास्थ्य विभाग के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कपिल देव पैकरा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम, डॉ. राजेश पैकरा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप नामदेव, अस्पताल सलाहकार नीलेश गुप्ता एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

महतारी वंदन हेतु 217879 हितग्राहियों का किया जाएगा केवाईसी सत्यापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महतारी वंदन एवं समाज कल्याण पेंशन योजना के अंतर्गत बचे हुए हितग्राहियों का केवाईसी सत्यापन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना के तहत जनपद ओड़गी में एक संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में जनपद अंतर्गत समस्त ग्राम स्तरीय उद्यमी, महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएँ सम्मिलित हुईं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बताया गया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रदेश में शेष 65 लाख हितग्राहियों का ऑनलाइन केवाईसी सत्यापन 3 अप्रैल से प्रारंभ होकर 30 जून तक संचालित किया जाएगा। जिले में इस अभियान के तहत महतारी योजना की 217879 महिला हितग्राहियों का केवाईसी सत्यापन किया जाना प्रस्तावित है। दोनों योजनाओं का यह केवाईसी अभियान वीएलई एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त समन्वय से चलाया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक सत्यापन की सुविधा उनके द्वार तक पहुँचाई जा सके। इस व्यापक लक्ष्य की पूर्ति के लिए ग्राम स्तर तक सुदृढ़ तंत्र खड़ा करना आवश्यक है, इसीलिए, वीएलई एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को एकसाथ प्रशिक्षित कर मैदानी स्तर पर क्षमता निर्माण किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल ओड़गी जनपद तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले की समस्त जनपद पंचायतों में क्रमबद्ध रूप से आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह है कि प्रत्येक विकासखंड में तैनात मैदानी अमला ऑनलाइन केवाईसी की तकनीकी प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज़ों एवं पोर्टल संचालन में पूरी तरह दक्ष हो, ताकि अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। महतारी वंदन एवं समाज कल्याण पेंशन योजना दोनों के केवाईसी सत्यापन को यह संयुक्त पहल योजनाओं में पारदर्शिता लाने एवं पात्र हितग्राहियों को बिना किसी व्यवधान के नियमित लाभ मिलते रहने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शासन व प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि कोई भी पात्र महिला अथवा पेंशन हितग्राही केवाईसी न होने के कारण योजना के लाभ से वंचित न रहे। इसलिये जिला प्रशासन द्वारा समस्त जिले वासियों से अपील की गई है कि पात्र हितग्राही अपना ई-केवाईसी करना सुनिश्चित करें।

छः दशक पुराने हनुमान मंदिर नवनिर्माण पश्चात शिखर कलश पूजन का हुआ अनुष्ठान

0 श्रीराम मंदिर से बाजे गाजे के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

0 धार्मिक मंत्रोच्चार के बीच वेदी व शिखर कलश स्थापना की हुई पूजा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगर के रंगमंच स्थित लगभग 60 वर्ष पुराने हनुमान मंदिर के पुनर्निर्माण व कायाकल्प का लिया गया। संकल्प दो वर्ष की अवधि में पूर्ण होने पर भव्य व आकर्षक स्वरूप तथा राजस्थान के पत्थरों की कलात्मक स्थापत्य कला से ओतप्रोत हनुमान मंदिर के नवनिर्माण का कार्य पूर्ण हुआ। मंदिर के शिखर कलश पूजन समारोह का भव्य धार्मिक अनुष्ठान बुधवार को श्रीराम मंदिर से भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। धार्मिकमय हुए वातावरण में बजरंग बली के जयघोष के साथ निकली कलश यात्रा में बड़ी संख्या में नगरवासियों ने शिरकत की और महिलाओं ने उत्साहपूर्ण वातावरण में कलश लेकर नवनिर्मित श्री हनुमान मंदिर परिसर पहुँच कलश अर्पण किया।

इसके उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिखर कलश स्थापना का धार्मिक अनुष्ठान पूज्य आचार्य रामसुवन त्रिपाठी व पप्पु महाराज के पावन सानिध्य सहित ब्राम्हण देवताओं के मंत्रोच्चार के आव्हान, भजन कीर्तन व पूजा अर्चना के साथ गठजोड़े में बैठे मंदिर समिति के सदस्यों ने पूजा अर्चना की और रखी गई आधारशीला के उपरांत आज निर्माण कार्य पूर्ण होने पर देवी-देवताओं का आव्हान करते हुए मंदिर नगरवासियों को समर्पित किया। उत्साहपूर्ण वातावरण में भव्य व दिव्य धार्मिक अनुष्ठान के साथ पूर्ण हुए मंदिर को श्री हनुमान जन्मोत्सव के एक दिन पूर्व समारोहपूर्वक शिखर कलश पूजन किया गया। इस दौरान मंदिर निर्माण समिति व मारुति सेवा समिति के सदस्यों में अजय अग्रवाल, आशा अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सोमिल अग्रवाल, अंकुर गर्ग, स्वाति गर्ग, राहुल अग्रवाल, श्रेया अग्रवाल, अमित तायल, रानी तायल सपत्नीक व कान्हा जिंदिया तथा उर्मिला देवी अग्रवाल अंबिकापुर जजमान के रूप में धार्मिक अनुष्ठान को पूर्ण किया। श्रीराम मंदिर से निकली विशाल शोभायात्रा मुख्य मार्ग होते हुए अग्रसेन चौक में पूजा अर्चना के उपरांत केतका रोड होते हुए श्री हनुमान मंदिर पहुँची, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। उक्त धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में मंदिर समिति से जुड़े सदस्य सक्रिय रहे।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर आज होगा विविध आयोजन

आज 2 अप्रैल को सुबह पूजा अर्चना, हवन, आरती के उपरांत दोपहर में बजरंग बली का विशाल भंडारा आयोजित है। उसके उपरांत बजरंग दल की अगुवाई में भव्य व दिव्य झांकी के साथ शोभायात्रा नगर भ्रमण करेगी। शाम को सुंदरकांड पाठ के साथ श्री हनुमान चालिसा पाठ का सामूहिक धार्मिक आयोजन होगा। रात्रि में श्री नवयुवक दुर्गा मंडल व बाहर के भक्तिरस कलाकारों के द्वारा भजनों की अमृत वर्षा की जाएगी। इस दौरान रात्रि में स्वल्पाहार का भी आयोजन किया गया है।

दो वर्ष पूर्व रखी थी आधारशीला

मंदिर निर्माण के लिए 6 दिसम्बर 2024 को विधि विधान से पूजा-पाठ कर मंदिर नवनिर्माण की आधारशीला रखी गई थी। दो वर्ष की अवधि में निर्माण समिति के अजय अग्रवाल व राजेश तायल, अंकुर गर्ग की देखरेख में लगभग 50 लाख रूपये की लागत से पवन पुत्र हनुमान जी के मंदिर को भव्य व आकर्षक स्वरूप दिया गया है।

छह दशक पुराने रंगमंच हनुमान मंदिर के जीर्णोधार व नवनिर्माण का संकल्प अब नयनाभिराम स्वरूप में आ गया है। मंदिर परिसर और निर्माण कला को देखने के लिए, सूरजपुर सहित अन्य स्थानों से भी श्रद्धाल रंगमंच हनुमान मंदिर पहुँच रहे हैं। वही भक्तों व धर्म प्रेमियों के द्वारा मुक्तहस्त से मिले सहयोग से मंदिर निर्माण कार्य अब पूर्ण हुआ है, जिसके लिए निर्माण सेवा समिति ने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने 13 नवीन '108' एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मरीजों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना शासन की प्राथमिकता: राजेश अग्रवाल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास मंत्री राजेश अग्रवाल ने बुधवार को जिला मुख्यालय से 13 नवीन शासकीय '108' एम्बुलेंस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जिले के विभिन्न विकासखण्डों के लिए रवाना किया। ये आधुनिक एम्बुलेंस आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को त्वरित रूप से अस्पताल पहुंचाने और उन्हें रास्ते में ही प्राथमिक उपचार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य शासन प्रत्येक नागरिक तक बेहतर और समयबद्ध चिकित्सा सुविधा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह एम्बुलेंस सेवा क्षेत्र के नागरिकों के लिए जीवनदायिनी सिद्ध होगी। विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में आपातकालीन स्थिति के दौरान मरीजों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना शासन का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला पंचायत सदस्य पायल सिंह तोमर, जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल, सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी, डी.एच.ओ.

आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं वाहन

कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि इन एम्बुलेंसों में ऑक्सीजन सिलिंडर, प्राथमिक उपचार किट और अन्य जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध हैं। प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की तैनाती से सेवा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने 108 एम्बुलेंस प्रभारी को निर्देशित किया कि वाहनों का संचालन सुचारु रूप से हो और आम जनता को समय पर सेवा प्राप्त हो।

बेसिक लाइफ सपोर्ट का मिलेगा लाभ

सीएमएचओ डॉ. पी.एस. मार्को ने बताया कि जिले को प्राप्त 13 नवीन वाहनों में 12 में बेसिक लाइफ सपोर्ट संसाधन उपलब्ध हैं। सामान्य आपात स्थितियों के लिए एवं 01 एएलएस (एडवांस लाइफ सपोर्ट), गंभीर रूप से घायल मरीजों को ऑक्सीजन एवं जीवन रक्षक उपकरणों के माध्यम से उपचार करते हुए अस्पताल लाया जा सकेगा।

डॉ. पी.के. सिन्हा, डीपीएम डॉ. पुष्पेंद्र राम, 108 प्रभारी राकेश कुमार सुखवंशी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर एवं एसएसपी ने केन्द्रीय जेल का किया औचक निरीक्षण

जेल की सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं का लिया जायजा

महिला वार्ड में बच्चों के टीकाकरण और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने केन्द्रीय जेल अंबिकापुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों के स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं एसएसपी ने जेल परिसर में स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की जांच की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष का भी अवलोकन किया और आवश्यक तकनीकी दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने सभी बंदी बैरकों की सघन जांच की, जहां किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री नहीं पाई गई। कलेक्टर ने जेल अस्पताल का दौरा कर यहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। विशेष रूप से मानसिक रूप से अस्वस्थ बंदियों के समुचित उपचार और महिला वार्ड में रह रहे बच्चों के समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, जेल अधीक्षक अक्षय सिंह राजपूत, उप जेल अधीक्षक आर.आर. मातलाम सहित जेल प्रबंधन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता और भोजन के गुणवत्ता की जांच

अधिकारियों ने जेल की पाकशाला (रसोईघर) और उद्योग इकाई का भी निरीक्षण किया। बंदियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई, इसके साथ ही जेल परिसर और बैरकों में साफ-सफाई की व्यवस्था भी बेहतर मिली।

जहर सेवन सहित अन्य घटनाओं में 5 महिलाओं की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जहर सेवन करने सहित अन्य घटनाओं में 5 महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने सभी मामले में स्वजन का बयान लेकर मर्ग कायम कर लिया है। मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक 29 मार्च को रामनवमी के दिन जशपुर जिला के ग्राम पुरनानगर की निर्मला पति सुखनाथ 58 वर्ष का पुत्र रमेश हड़िया शराब खरीदकर लाया था और आधा पीने के बाद शेष हड़िया को बचाकर रखा था। इसी बात को लेकर मां-बेटे के बीच झगड़ा, विवाद हुआ था। पुत्र से हुए विवाद के बाद वृद्ध महिला घर के बाड़ी में फेंके गए धान में छिड़काव करने वाले जहरीले दवा का सेवन कर ली थी। इसकी जानकारी मिलने पर वह ऑटो से अपनी मां को लेकर जशपुर के शासकीय अस्पताल में पहुंचा, यहां चिकित्सक ने महिला को भर्ती कर लिया था। यहां से रिफर करने पर 30 मार्च को स्वजन उसे संजीवनी 108 एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान एक अप्रैल को तड़के 5.20 बजे उसकी मौत हो गई।

दूसरी घटना में मणीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम परसापाली की राजेश्वरी मिंज पिता सुंटल राम 23 वर्ष, घास मारने वाले दवा का सेवन कर ली थी, मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतिका के भाई राकेश मिंज ने बताया कि उसकी छोटी बहन का वर्ष 2025 से ही दिमागी हालत ठीक नहीं था, और वह घर में ही सोते रहती थी। उसका इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के अलावा बीते 19 फरवरी को झारखंड के रांची में भी करवाए थे। 18 मार्च को अचानक वह घर में रखे घास मारने वाले कीटनाशक का सेवन कर ली थी। पूछने पर बताई कि उसके इलाज के लिए पूरा परिवार परेशान है, इसलिए वह ऐसा कदम उठाई है। इलाज के दौरान एक अप्रैल को अलसुबह 2.10 बजे युवती की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

बाइक की ठोकर से घायल महिला की मौत

बलरामपुर जिला के चलगली थाना अंतर्गत ग्राम शारदापुर निवासी रामपति पति रामसाय 41 वर्ष को बाइक का चालक ठोकर मारकर भाग गया, घटना में महिला के साथ खेल रहे बच्चे घायल हो गए। स्वजन उसे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि 31 मार्च की शाम को मृतिका रामपति का पुत्र बुधनारायण मजदूरी करने के लिए गया था, और वो घर के बाहर बैठकर बच्चों को खिला रही थी। इसी दौरान बाइक क्रमांक सीजी 29 एएच 6245 का चालक ठोकर मार दिया, जिससे वह बेहोश हो गई थी। स्वजन उसे निजी वाहन से होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सीढ़ी से गिरी किशोरी, इलाज दौरान मौत

सूरजपुर जिला के ओड़गी थाना अंतर्गत ग्राम कर्री निवासी रवीना सिंह पिता सहदेव सिंह 15 वर्ष, सीढ़ी से गिरकर घायल हो गई थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृत किशोरी 28 मार्च को सीढ़ी लगाकर घर के आंगन में दीवार को पोत रही थी। इसी दौरान अचानक अनियंत्रित होकर गिर गई। स्वजन इस दौरान हुई आवाज को सुनकर दौड़े तो आंगन में रवीना बेहोशी की हालत में पड़ी थी। घरेलू उपचार के बाद तकलीफ बढ़ने पर स्वजन उसे 30 मार्च को सूरजपुर अस्पताल लेकर गए, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने एक्स-रे कराया, और ऑपरेशन कराने की सलाह दी थी। 31 मार्च को तकलीफ अधिक बढ़ने पर स्वजन उसे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान एक अप्रैल की सुबह जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिला की रक्तस्राव से बिगड़ी तबियत, मौत

सूरजपुर जिला के प्रेमनगर थाना अंतर्गत ग्राम ब्रह्मपुर निवासी अनिता पति तिलक राम 32 वर्ष की तबियत अत्यधिक रक्तस्राव होने से बिगड़ गई, इलाज के दौरान वह दम तोड़ दी। मृतिका के स्वजन ने पुलिस को बताया कि मृतिका को 18 मार्च से ही मासिक रक्तस्राव अत्यधिक हो रहा था, जिस कारण उसकी तबियत बिगड़ गई। सूरजपुर जिला अस्पताल से इलाज के बाद रेफर करने पर वे उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान अलसुबह उसकी मौत हो गई।

फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी गबन का आरोप में महासमुंद से गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस टीम ने ग्राहकों से वाहनों का किश्त अपने खाते में प्राप्त करके कूटरचित फर्जी पावती देकर गबन करने के मामले में आरोपी को महासमुंद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अलग-अलग ग्राहकों से 03 लाख 50 हजार 395 रुपये प्राप्त किया था। जानकारी के मुताबिक दिग्विजय सिंह शाखा प्रबंधक श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड अंबिकापुर ने 15/09/25 को थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि श्री राम फाइनेंस कंपनी के अंबिकापुर शाखा (टू व्हीलर) में अमित श्रीवास्तव जूनियर बिजनेस एग्जिक्यूटिव के पद पर कार्यरत है, और ग्राहकों द्वारा वाहनों की किस्तों का भुगतान समय पर नहीं करने के आधार पर वह वाहनों को जप्त करने उपरान्त किश्त की राशि लेकर छोड़ा है। बताया गया था कि किस्त की राशि को फोन से अपने नाम के बैंक खाता में वह प्राप्त किया है, और पावती के रूप में फाइनेंस कंपनी के प्रिंटेड फॉर्म में किश्त की राशि हस्तलेख में लिखकर दिया गया है, जबकि ग्राहकों को कम्प्यूटराइज्ड पावती दी जाती है। इस प्रकार अमित श्रीवास्तव द्वारा उक्त रकम ऋणी ग्राहकों के लोन एकाउंट में जमा नहीं करते हुए कुल 03 लाख 50 हजार 395 रुपये का गबन करने और कुछ गाहकों को कूटरचित फर्जी रसीद, पावती देने एवं ग्राहकों से फायनेंस कंपनी के नाम पर नकद में डाउन पेमेंट लेकर फर्जी तरीके से डी.ओ. लेटर जारी कर वाहन एजेंसियों से वाहन सीधे ग्राहकों को दिलाने के मामले में थाना कोतवाली में पुलिस ने आरोपित के विरूद्ध बीएनएस की धारा 316(4), 316(5) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने थाना कोतवाली पुलिस टीम को मामले में त्वरित कार्रवाई करने और प्रकरण के आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस टीम फरार आरोपी के तलाश में लगी थी। आरोपी के संबंध में तकनीकी जानकारी प्राप्त कर पुलिस टीम को गिरफ्तारी हेतु महासमुंद रवाना किया गया। पुलिस टीम आरोपी अमित श्रीवास्तव पिता आनंद श्रीवास्तव 29 वर्ष निवासी गोधनपुर रूप वाटिका के सामने को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने लगभग 03 लाख रुपये कंपनी में जमा नहीं करने और ग्राहकों के किश्त का पैसा गबन करना स्वीकार किय। सरगुजा हीरो केयर से 22 गाड़ियों के फाइनेंस के संबंध में पूछताछ करने पर वह गोलमोल जवाब दे रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, सहायक उप निरीक्षक संदीप सिंह, प्रधान आरक्षक विजय रवि, आरक्षक सत्येंद्र दुबे, ओमप्रकाश गुप्ता, शिव राजवाड़े, मंटूलाल गुप्ता सक्रिय रहे।

नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ घोषित होने पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने की आम सभा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ, सरगुजा इकाई द्वारा न्यायालय परिसर में छत्तीसगढ़ के नक्सली मुक्त घोषित होने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए आम सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर अधिवक्ताओं, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा विधिक प्रकोष्ठ के ज़िला संयोजक जन्मेजय पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय तक नक्सली हिंसा की पीड़ा झेलता रहा, जिसके कारण विकास की गति बाधित हुई। आज का दिन प्रदेश के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा, जब हम भय के वातावरण से निकलकर विकास और विश्वास के युग में प्रवेश कर रहे हैं। संजय अम्बष्ट ने अपने उद्बोधन में कहा कि नक्सलवाद ने वर्षों तक हमारे गांवों, युवाओं और संसाधनों को प्रभावित किया, लेकिन अब मजबूत इच्छाशक्ति और प्रभावी नीतियों के कारण प्रदेश नक्सल मुक्त हो रहा है। यह परिवर्तन छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। रमेश शुक्ला ने कहा कि आज का यह उत्सव केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि उस संघर्ष की जीत है जो वर्षों से चल रहा था। अब प्रदेश में कानून-व्यवस्था मजबूत होगी और निवेश एवं विकास के नए द्वार खुलेंगे। पी.आर. कश्यप ने अपने वक्तव्य में कहा कि नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ का अर्थ है सुरक्षित समाज, सशक्त युवा और समृद्ध भविष्य। अब सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेंगी और विकास की गति तीव्र होगी। प्रशांत शंकर त्रिपाठी ने कहा कि यह उपलब्धि सुशासन, सुरक्षा बलों के पराक्रम और जनता के सहयोग का संयुक्त परिणाम है। अब छत्तीसगढ़ शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ेगा और देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बनाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत है। अंत में सभी ने छत्तीसगढ़ के विकास, शांति एवं समृद्धि के लिए संकल्प लिया और इस ऐतिहासिक उपलब्धि को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन धनंजय मिश्रा ने एवं आभार प्रदर्शन अरविन्द कन्नौजिया ने किया। इस अवसर पर विद्यानंद मिश्रा, प्रमोद तिवारी, श्याम नारायण पाण्डेय, सतीश शुक्ल, अमरेंद्र पाण्डेय, अमित पाण्डेय, विवेक पाण्डेय, विनय दुबे, मानो शर्मा सहित वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे।

18 शासकीय ग्रामीण तालाब का मत्स्य पालन हेतु पट्टा आबंटित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मत्स्य पालन विभाग के उप संचालक ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की मछली पालन नीति निर्देश अंतर्गत जिले के सीतापुर, लुण्ड्रा, मैनपाट, उदयपुर तथा अंबिकापुर विकासखण्ड के कुल 18 शासकीय ग्रामीण तालाब जल क्षेत्र 11.321 हेक्टेयर में मत्स्य पालन हेतु पट्टा आबंटित किया गया। ग्राम पंचायतों द्वारा मत्स्य पालकों तथा महिला स्वयं सहायता समूह को आबंटन हेतु पारित प्रस्ताव तथा विभाग द्वारा पट्टे पर दिए जाने की अनुशंसा प्रस्ताव स्वीकृत कर मत्स्य पालकों तथा स्वयं सहायता समूहों को 10 वर्ष के लिए तालाब पट्टा आबंटित किया गया। उन्होंने बताया आबंटित तालाब पट्टा धारक विभाग की जाल प्रदाय योजना, आइस बाक्स प्रदाय, नि:शुल्क दुर्घटना बीमा, मछुवा प्रशिक्षण एवं 50 प्रतिशत अनुदान पर फिंगरलिंग मत्स्य बीज प्रदाय तथा अन्य योजनाओं से लाभान्वित होगें, जिससे पट्टा धारक आबंटित तालाब में मछली पालन करते हुए आजीविका तथा स्वरोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनेंगे।

नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प पूरा होने पर भाजयुमो ने शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भारतीय जनता युवा मोर्चा सरगुजा द्वारा नक्सली हमलों में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों, समर्पित जनसेवकों और निर्दोष नागरिकों की पावन स्मृति में 'एक दीप शहीदों के नाम 'श्रद्धांजलि एवं दीपदान कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में भाजयुमो के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों द्वारा जयस्तंभ चौक पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश में नक्सलवाद के विरुद्ध 'नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़' के संकल्प पूरा होने की खुशी में देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को नमन किया गया एवं दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अंबिकेश केशरी, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह, जिला उपाध्यक्ष विकास पांडेय, जिला महामंत्री अरुणा सिंह, जन्मेजय मिश्रा, मनोज गुप्ता, कमलेश तिवारी, प्रिया सिंह, निशांत सिंह शोलू, अंशुल श्रीवास्तव, अभिनंदन सिंह, अनीश सिंह, अविनाश मंडल, रिशु अम्बस्ट, रवजोत सिंह, आशुमल गर्ग, रितेश यादव, ओंकारेश्वर सिंह, प्रीतेश दुबे, अभिषेक माथुर, आदित्य गौतम, प्रिंस तिवारी, आयुष दुबे, सुधांशु चौबे, रोहन मंडल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंग्रेजी विषय की परीक्षा 1635 पंजीकृत विद्यार्थियों में 1547ने दी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल द्वारा संचालित हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा अंतर्गत 01 अप्रैल को सरगुजा जिले के 10 परीक्षा केन्द्रों में कक्षा 12वीं की अंग्रेजी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लुण्ड्रा केंद्र क्रमांक 1217 का संयुक्त संचालक संजय गुप्ता द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। परीक्षा केन्द्र क्रमांक 1201 शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर का जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा ने आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान सभी परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा शांतिपूर्वक एवं निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित होना पाया गया। अंग्रेजी विषय की परीक्षा में कुल 1635 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1547 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे, जबकि 88 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

स्माइल योजना के क्रियान्वयन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं, स्थानीय निकायों से प्रस्ताव आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक ने बताया कि आजीविका और उद्यमों के लिए हाशिए पर रहने वाले व्यक्तियों के लिए सहायता (स्माइल) योजनांतर्गत भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के व्यापक पुनर्वास कार्यक्रम का जिले में संचालन हेतु मान्यता प्राप्त स्वैच्छिक संस्था/स्थानीय निकायों जिनका कम से कम 2 वर्ष का कार्य का अनुभव हो, से प्रस्ताव आमंत्रित किया जा रहा है। इच्छुक विभागीय मान्यता प्राप्त स्वैच्छिक संस्था, स्थानीय निकाय अपना प्रस्ताव बंद लिफाफे में जिला कार्यालय समाज कल्याण, कलेक्ट्रेट परिसर अंबिकापुर को 16 अप्रैल को सायं 5.30 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में अधिक जानकारी/विस्तृत निर्देश, शर्तें एवं आवेदन का प्रारूप जिले के वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

प्राचार्य सेवानिवृत्त हुए, डीईओ ने दी सत्रांत पुनर्नियुक्ति और स्वत्वों की स्वीकृति

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर के प्राचार्य राम लोलारक मिश्रा 31 मार्च को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवा से सेवानिवृत्त हुए। इनके सेवानिवृत्ति तिथि को जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा द्वारा सत्रांत तक पुर्ननियुक्ति आदेश, अर्जित अवकाश नगदीकरण आदेश तथा समूह बीमा योजना राशि का स्वीकृति आदेश प्रदान करते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर